करेंट अफेयर्स
उत्तर प्रदेश
(संग्रह)

अक्तूबर
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश..........4

- PMUY लाभार्थियों को मुफ्त LPG रिफिल मिलेगा..........4
- ज़िला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट नियमों का प्रख्यापन..........5
- इंस्पायर पुरस्कार मानक योजना में उत्तर प्रदेश अग्रणी..........6
- गायक छन्नूलाल मिश्र का निधन..........7
- भारत का पहला पशु जन्म नियंत्रण (ABC) प्रशिक्षण केंद्र..........8
- उत्तर प्रदेश में 'गुड सेमेरिटन' पहल शुरू..........9
- डायरेक्ट-सीडेड राइस (DSR) कॉन्क्लेव 2025..........10
- अभिधम्म दिवस..........11
- मैलानी-नानपारा ट्रैक हेरिटेज रूट घोषित..........13
- मैलानी-नानपारा ट्रैक हेरिटेज रूट घोषित..........15
- IUCN द्वारा घड़ियाल का पहली बार 'ग्रीन स्टेटस' आकलन..........16
- उत्तर प्रदेश ड्रोन सुरक्षा नीति..........18
- इंडो-गैंगेटिक मैदान (IGP) में पीएम2.5 स्तर..........19
- गोमती पुनर्जीवन मिशन..........20
- ऑपरेशन शिकंजा..........22
- उत्तर प्रदेश में फाइलेरिया संक्रमण की दर में गिरावट..........23
- उत्तर प्रदेश में काऊ टूरिज़्म को प्रोत्साहन..........24
- रक्षा मंत्री ने भविष्य हेतु तैयार सशस्त्र बलों पर पुस्तक का विमोचन किया..........24
- उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर में 256 अपराधी ढेर..........25
- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024-25 में स्थापित हुई 4,000 नई फैक्ट्रियाँ..........27
- उत्तर प्रदेश बनाएगा डिजिटल कृषि नीति..........28
- उत्तर प्रदेश में पराली दहन पर अंकुश लगाने हेतु सब्सिडी योजना की शुरुआत..........29
- उत्तर प्रदेश में सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस..........30
- गढ़मुक्तेश्वर मेले का आयोजन मिनी कुंभ के रूप में..........31
- 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SIR 2.0 प्रारंभ..........31

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- उत्तर प्रदेश में 'लर्निंग बाय डूइंग' मॉडल 32
- उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में लॉजिस्टिक्स हब 33
- उत्तर प्रदेश में व्यावसायिक सुधार लागू 34
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गन्ना SAP में वृद्धि 35
- लखनऊ में नौसेना शौर्य संग्रहालय 36

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स 38

- अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस 38
- राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 39
- माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च 41
- श्यामजी कृष्ण वर्मा की जयंती 41
- विश्व कपास दिवस 2025 42
- विश्व पर्यावास दिवस 43
- 93वाँ वायुसेना दिवस 44
- 70वें फिल्मफेयर पुरस्कार 2025 45
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 46
- विश्व मानक दिवस 47
- भारत-दक्षिण कोरिया नौसैनिक द्विपक्षीय अभ्यास (IN–RoKN) 48
- विश्व खाद्य दिवस 2025 49
- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती 49
- विशाखापत्तनम में गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब 51
- समुद्र शक्ति का पाँचवाँ संस्करण 51
- संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025 53
- पिंकी आनंद बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त 54
- नीरज चोपड़ा को मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि 55
- अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस और '#23for23' पहल 56
- वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2025 59
- पूर्वी तिमोर आसियान का 11वाँ सदस्य बना 60
- भौतिक वैज्ञानिक जयंत नार्लीकर को विज्ञान रत्न 62
- मोंथा चक्रवात 65
- DFC पर यात्री ट्रेनों का परिचालन 66
- 8वें वेतन आयोग की संदर्भ शर्तें स्वीकृत 66
- न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त 67
- राष्ट्रीय एकता दिवस 68

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

उत्तर प्रदेश

PMUY लाभार्थियों को मुफ्त LPG रिफिल मिलेगा

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के तहत होली और दिवाली के दौरान 1.86 करोड़ **लाभार्थी परिवारों** को दो मुफ्त **एलपीजी सिलेंडर** वितरित करने की स्वीकृति दी है।

- यह पहल महिलाओं के **स्वास्थ्य** और **सशक्तीकरण** के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जिसमें मुफ्त रिफिल प्रदान करने की अनुमानित लागत 1,385.34 करोड़ रुपये है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - **पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय** (MoPNG) ने '**प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना**' (PMUY) को एक प्रमुख योजना के रूप में शुरू किया है, जिसका उद्देश्य **ग्रामीण** एवं **वंचित परिवारों** को एलपीजी जैसे **स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन** उपलब्ध कराना है, जो अन्यथा लकड़ी, कोयला, गोबर के उपले आदि जैसे पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन का उपयोग कर रहे थे।
- **उद्देश्य:**
  - महिलाओं को **सशक्त बनाना** और उनके **स्वास्थ्य की सुरक्षा** करना।
  - **अशुद्ध खाना पकाने वाले ईंधन** के कारण भारत में होने वाली मृत्यु दर को कम करना।
  - **छोटे बच्चों को गंभीर श्वसन रोगों** से बचाना, जो घरेलू हवा के प्रदूषण के कारण होते हैं।
  -
- **विशेषताएँ:**
  - इस योजना के तहत BPL परिवारों को प्रत्येक एलपीजी कनेक्शन के लिये 1,600 रुपये की **वित्तीय सहायता** प्रदान की जाती है।
  - जमा-मुक्त एलपीजी कनेक्शन के साथ **उज्ज्वला 2.0** लाभार्थियों को पहला **रिफिल** और एक **हॉटप्लेट** निशुल्क प्रदान करेगी।
- **लाभ:**
  - पात्र लाभार्थियों को **निशुल्क एलपीजी कनेक्शन** मिलेगा।
  - लाभार्थियों को 14.2 किलोग्राम के सिलेंडरों के पहले छह **रिफिल** या 5 किलोग्राम के सिलेंडरों के आठ **रिफिल** पर भी सब्सिडी मिलती है।
  - लाभार्थी चूल्हे की लागत और रिफिल के भुगतान के लिये **EMI सुविधा** का विकल्प चुन सकते हैं।
  - लाभार्थी सीधे अपने **बैंक खातों** में सब्सिडी राशि प्राप्त करने के लिये **पहल योजना** में भी शामिल हो सकते हैं।
- **PMUY के चरण:**
  - **उज्ज्वला 1.0:** 1 मई, 2016 को शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य मार्च 2020 तक वंचित परिवारों को 8 करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उज्ज्वला 2.0:** शेष गरीब परिवारों को कवर करने के लिये सरकार ने अगस्त 2021 में **उज्ज्वला 2.0** लॉन्च की।
  - उज्ज्वला 2.0 के तहत प्रवासी परिवारों के लिये एक विशेष प्रावधान किया गया था, जिससे उन्हें पते के प्रमाण और राशन कार्ड की आवश्यकता के बजाय **स्व-घोषणा** के माध्यम से एक नया एलपीजी कनेक्शन प्राप्त करने की अनुमति मिली।
- **उपभोग प्रवृत्ति:**
  - वैश्विक स्तर पर PMUY इस प्रकार की सबसे बड़ी योजना है, जो **10.33 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों** को घरेलू एलपीजी प्रदान करती है और इसका प्रभावी मूल्य **लगभग 35 रुपये/किलोग्राम** है।
- **शीर्ष राज्य:**
  - **उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान** वे प्रमुख राज्य हैं, जो PMUY के कार्यान्वयन में अग्रणी हैं।

ज़िला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट नियमों का प्रख्यापन

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने खनन मंत्रालय द्वारा जनवरी 2024 में जारी प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (PMKKKY) के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुरूप **उत्तर प्रदेश ज़िला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (तृतीय संशोधन) नियम, 2025** के प्रख्यापन को स्वीकृति दी।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** संशोधन का उद्देश्य सामुदायिक विकास और कल्याणकारी गतिविधियों के लिये **ज़िला खनिज फाउंडेशन (DMF)** निधियों का उपयोग करके खनन कार्यों से सीधे प्रभावित क्षेत्रों के व्यक्तियों को लाभान्वित करना है।
- **निधि आवंटन:** DMF निधि का 70% विशेष रूप से खनन प्रभावित क्षेत्रों में **पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा** और **कौशल विकास** के लिये आवंटित किया जाएगा।
  - शेष 30% धनराशि का उपयोग **भौतिक अवसंरचना, सिंचाई, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों** आदि के लिये किया जा सकता है।
- **वित्तीय प्रभाव:** संशोधित नियमों के लागू होने से राज्य सरकार पर कोई वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।
- **निगरानी प्रणाली:** PMKKKY के अंतर्गत कार्यों के कार्यान्वयन की निगरानी करने तथा DMF निधियों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिये **मुख्य सचिव** की अध्यक्षता में एक **राज्य स्तरीय निगरानी समिति** गठित की जाएगी।

ज़िला खनिज फाउंडेशन (DMF)

- खान एवं खनिज विकास विनियमन (संशोधन) अधिनियम, 2015 के अनुसार, खनन संबंधी कार्यों से प्रभावित **प्रत्येक ज़िले में राज्य सरकार अधिसूचना** द्वारा एक गैर-लाभकारी निकाय के रूप में एक ट्रस्ट की स्थापना करेगी जिसे **ज़िला खनिज फाउंडेशन** कहा जाएगा।
- **DMF निधि:** प्रत्येक खनन पट्टाधारक, केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार, DMF को **रॉयल्टी का एक हिस्सा**, जो कुल रॉयल्टी के एक-तिहाई से अधिक नहीं होगा, का भुगतान करेगा।
- **कार्यप्रणाली:** DMF ट्रस्टों की कार्यप्रणाली और निधियों का उपयोग संबंधित राज्यों के DMF नियमों द्वारा शासित होता है तथा इसमें केंद्रीय दिशानिर्देश, **PMKKKY** के अधिदेश शामिल होते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (PMKKKY)

- **नोडल मंत्रालय:** वर्ष 2025 में शुरू की गई PMKKKY खनन मंत्रालय द्वारा ज़िला खनिज फाउंडेशन (DMF) के तहत अर्जित धन का **उपयोग करके लोगों** और प्रभावित क्षेत्रों के कल्याण के लिये एक योजना है।
- **उद्देश्य:** सरकारी योजनाओं के पूरक के रूप में खनन **क्षेत्रों में कल्याणकारी परियोजनाओं** को लागू करना, प्रतिकूल प्रभावों को कम करना तथा स्थायी आजीविका सुनिश्चित करना।
- **PMKKKY 2024 दिशानिर्देश:** PMKKKY 2024 में यह अनिवार्य किया गया है कि DMF निधि का कम-से-कम **70% उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों** पर खर्च किया जाना चाहिये,जो खनन प्रभावित समुदायों के कल्याण को सीधे प्रभावित करते हैं।

इंस्पायर पुरस्कार मानक योजना में उत्तर प्रदेश अग्रणी

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश ने इंस्पायर पुरस्कार मानक (MANAK- मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज) **योजना** के तहत सर्वाधिक **नामांकन (2.8 लाख)** प्राप्त कर छात्र-नेतृत्व वाली नवाचार गतिविधियों में राष्ट्रीय मानक स्थापित किया।

मुख्य बिंदु

- **उल्लेखनीय उपलब्धि:** इस वर्ष उत्तर प्रदेश में 2.8 लाख नामांकन दर्ज किये गए, जो **योजना शुरू होने के बाद से सबसे अधिक है** तथा विगत वर्ष के 2.1 लाख से 70,000 अधिक है।
- **समावेशी भागीदारी:** सभी 75 ज़िलों से सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें **माध्यमिक, जूनियर हाई स्कूल,** कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, **कंपोज़िट और संस्कृत विद्यालयों** के छात्र शामिल थे।
- **शीर्ष प्रदर्शन करने वाले ज़िले:** प्रतापगढ़ (7,085), प्रयागराज (6,929), लखनऊ (6,721), हरदोई (6,689), जौनपुर (5,930)।
- नामांकन में **देश के शीर्ष 50 ज़िलों** में उत्तर प्रदेश के 22 ज़िले शामिल हैं।
- **राष्ट्रीय तुलना:** उत्तर प्रदेश के बाद राजस्थान 1.41 लाख और कर्नाटक 1.01 लाख नामांकनों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।
- **INSPIRE पुरस्कार मानक योजना:**
  - यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), **भारत सरकार** तथा **राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन (NIF) भारत** (DST की स्वायत्त संस्था) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित एक प्रमुख योजना है।
  - **लक्षित समूह:** कक्षा 6 से 12 तक के छात्र।
  - **उद्देश्य:** स्कूल के छात्रों में नवाचार, मौलिकता और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना।
  - **प्रक्रिया:** छात्र **ऑनलाइन नामांकन** के माध्यम से **नवीन विचार** प्रस्तुत करते हैं।

इंस्पायर INSPIRE) योजना

- INSPIRE (Innovation in Science Pursuit for Inspired Research) योजना **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** की प्रमुख **पहल** है, जिसका **उद्देश्य** प्रारंभिक अवस्था से ही **युवाओं को विज्ञान की ओर आकर्षित करना** तथा भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिक तंत्र को सशक्त बनाने के लिये एक मज़बूत मानव संसाधन आधार का निर्माण करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- भारत सरकार वर्ष 2010 **से इंस्पायर योजना को क्रियान्वित कर रही है,** जिसके अंतर्गत **इंस्पायर पुरस्कार मानक** सहित पाँच घटकों के माध्यम से 10-32 **वर्ष की आयु के विद्यार्थियों** को शामिल किया जाता है।

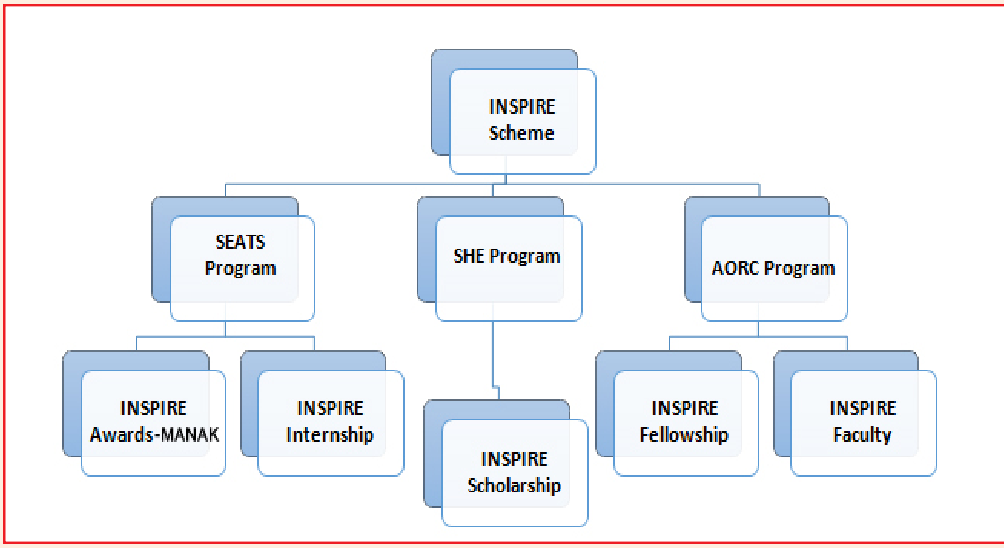

गायक छन्नूलाल मिश्र का निधन

चर्चा में क्यों ?

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज पंडित छन्नूलाल मिश्र का लंबी बीमारी के बाद 89 वर्ष की आयु में **उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर** में निधन हो गया।

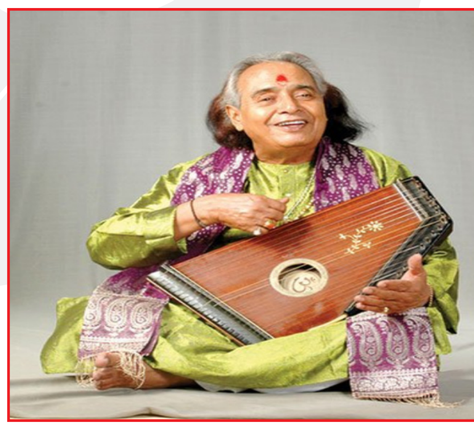

मुख्य बिंदु

- **छन्नूलाल मिश्र के बारे में:**
  - उनका **जन्म** 3 अगस्त, 1936 को उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ ज़िले के **हरिहरपुर गाँव** में हुआ था और 5 **अक्तूबर,** 2025 को उनका निधन हो गया।
- **संगीत यात्रा:**
  - वह हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, विशेष रूप से **ख्याल,** ठुमरी, **दादरा, चैती, कजरी** और **भजन शैलियों** के अग्रणी प्रतिपादकों में से एक थे।
  - उन्होंने प्रारंभिक संगीत प्रशिक्षण अपने पिता बद्री प्रसाद मिश्र से प्राप्त किया।
  - **किराना घराने** के उस्ताद **अब्दुल गनी खान तथा ठाकुर जयदेव सिंह** के मार्गदर्शन में उनकी शास्त्रीय संगीत शिक्षा और समृद्ध हुई।
  - उन्होंने बनारस घराने की **ख्याल, ठुमरी** और **पूरब अंग शैलियों को** वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति अर्जित की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- पुरस्कार:
  - संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार: 2000
  - पद्म भूषण: 2010
  - पद्म विभूषण: 2020

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत

- हिंदुस्तानी संगीत, जो मुख्य रूप से **उत्तर भारत में प्रचलित है**, भारतीय शास्त्रीय संगीत की दो मुख्य पद्धतियों में से एक है, दूसरा **दक्षिण भारत** का **कर्नाटक संगीत** है।
- यह मुख्यत: **गायन-केंद्रित** है, जिसमें ध्रुपद और ख्याल शास्त्रीय हिंदुस्तानी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि ठुमरी, धमार, तराना, टप्पा, कव्वाली तथा गज़ल अर्द्ध-शास्त्रीय हिंदुस्तानी शैलियाँ हैं।

ठुमरी

- **परिचय:**
  - **यह उत्तर भारत** का एक **अर्द्ध-शास्त्रीय संगीत रूप है,** जो **19वीं शताब्दी में नवाब वाज़िद अली शाह के संरक्षण** में उन्नत हुआ
  - यह अपनी **भावपूर्ण गहराई, माधुर्य और अभिव्यक्तिपूर्ण कहानी कहने की शैली** के लिये प्रसिद्ध है।
  - **वर्ष 1856 में अवध के पतन** के बाद इसका **केंद्र बनारस में स्थानांतरित हो गया,** जहाँ इसे आध्यात्मिक और भक्तिपरक स्वर (राधा-कृष्ण थीम) मिला।
- **विशेषता:**
  - इसमें राग नियमों के सख्त पालन के बजाय **भाव (भावना)** पर ज़ोर दिया जाता है और **सुधार तथा स्वतंत्रता** की अनुमति दी जाती है।
- **प्रभाव:**
  - इसमें **होरी, कजरी, दादरा, झूला, चैती** और अन्य लोक या अर्द्ध-शास्त्रीय रूपों के तत्त्व शामिल हैं।
- **ठुमरी के रूप:**
  - **पूर्वी ठुमरी (पूर्वी/धीमी गति):** गीतात्मक और गहन भावनात्मक, मुख्यत: बनारस घराने से संबंधित।
  - **पंजाबी ठुमरी (तीव्र गति):** ऊर्जावान और जीवंत, पटियाला घराने से संबंधित।
- **प्रमुख घराने:**
  - बनारस घराना, लखनऊ घराना और पटियाला घराना।

भारत का पहला पशु जन्म नियंत्रण (ABC) प्रशिक्षण केंद्र

चर्चा में क्यों?

लखनऊ **नगर निगम (LMC) ने** उत्तर प्रदेश के **जरहरा** में **भारत का पहला पशु जन्म नियंत्रण (ABC)** प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है, जिसका **उद्देश्य आवारा कुत्तों के प्रबंधन में** पेशेवरों को प्रशिक्षित करना और ABC प्रशिक्षण के लिये एक **राष्ट्रीय केंद्र** के रूप में कार्य करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **साझेदारी:** यह केंद्र LMC, भारतीय पशु कल्याण बोर्ड तथा **उत्तर प्रदेश सरकार** के बीच सहयोग का परिणाम है, जो **ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया** के साथ साझेदारी में स्थापित किया गया है।
- **उद्देश्य:** इसका प्रमुख उद्देश्य **आवारा कुत्तों की नसबंदी कार्यक्रमों** को सशक्त बनाना तथा पशु कल्याण विधियों में सुधार करना है।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:** केंद्र 15 दिवसीय **प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** प्रदान करता है, जिसमें **सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों घटक** शामिल हैं। प्रतिभागी **कुत्तों की देखभाल, एनेस्थीसिया देने, नसबंदी तकनीकों** एवं **शल्यक्रिया के बाद की देखभाल** में विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे।
- **लक्षित वर्ग:** यह प्रशिक्षण **पशु चिकित्सकों, सहायक पशु चिकित्सकों, पशु संचालकों** तथा **आवारा कुत्तों के प्रबंधन में शामिल संगठनों** के लिये खुला है।
- **प्रमाण-पत्र:** प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर प्रतिभागियों को **प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा**, जो उनकी **मानवीय एवं प्रभावी ABC प्रक्रियाओं के संचालन हेतु तत्परता** को प्रमाणित करेगा।

उत्तर प्रदेश में 'गुड सेमेरिटन' पहल शुरू

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **'गुड सेमेरिटन' पहल** के तहत **'राहवीर' नामक सहायकों** के लिये एक पुरस्कार कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत उन व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है, जो सड़क दुर्घटना **पीड़ितों** को **"सुनहरे घंटे" (Golden Hour) के भीतर अस्पताल पहुँचाने में सहायता** करते हैं।

- यद्यपि यह पहल केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय **द्वारा तैयार** की गई है, लेकिन दुर्घटना पीड़ितों को **त्वरित सहायता** प्रदान करने के लिये इसे पूरे भारत में राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।
- मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अनुसार, 'गुड सेमेरिटन' वह व्यक्ति होता है, जो सद्भावनापूर्वक तथा बिना किसी पुरस्कार की अपेक्षा के दुर्घटना के बाद **आपातकालीन चिकित्सकीय या गैर-चिकित्सकीय सहायता प्रदान करता है** या पीड़ितों को अस्पताल तक पहुँचाता है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - यह योजना उन व्यक्तियों को मान्यता देती है और पुरस्कृत करती है जो **"गोल्डन ऑवर"** के दौरान **प्रथम प्रतिक्रियाकारक (First Responder)** के रूप में कार्य करते हैं।
    - **गोल्डन ऑवर** किसी **आघात के तुरंत** बाद का पहला महत्त्वपूर्ण घंटा होता है, जब तत्काल चिकित्सकीय **सहायता से जान** बचाई जा सकती है।
  - वर्ष 2023 में, **सड़क दुर्घटनाओं** में 1.5 मिलियन लोगों की **मृत्यु हो** गई। इनमें से कई की **जीवन रक्षा संभव थी** यदि उन्हें **गोल्डन ऑवर** के भीतर शीघ्र **चिकित्सा सुविधा** मिल जाती।
  - **गोल्डन ऑवर** की अवधारणा **मोटर वाहन अधिनियम, 1988** की **धारा 2(12A)** के तहत स्थापित की गई है, जो **तात्कालिक चिकित्सकीय हस्तक्षेप** की आवश्यकता को दर्शाती है।
- **सम्मान और पुरस्कार:**
  - प्रत्येक घटना के प्रथम **प्रतिक्रियाकर्त्ता** को **'राहवीर' प्रमाण-पत्र** के साथ **25,000 रुपये का प्रोत्साहन** दिया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यदि एक से अधिक **प्रतिक्रियाकर्त्ता** किसी **पीड़ित** की सहायता करते हैं, तो **पुरस्कार राशि समान रूप से** वितरित की जाएगी।

- **पात्रता:**
  - यह **योजना** मोटर वाहनों से संबंधित **बड़ी** सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होती है, जहाँ **पीड़ितों** को गंभीर **चोटें** आती हैं, जिसके लिये उन्हें तीन दिन से अधिक समय तक **अस्पताल** में भर्ती रहने की आवश्यकता होती है या वे **मस्तिष्क** या **रीढ़ की हड्डी** की चोटों से पीड़ित होते हैं।
  - यदि उपचार के दौरान पीड़ित की मृत्यु हो जाती है, तो भी **प्रथम प्रतिक्रियाकर्त्ता पुरस्कार के पात्र होंगे।**
- **पारदर्शिता और सत्यापन:**
  - **उत्तर प्रदेश पुलिस** अस्पताल के सहयोग से प्रत्येक **बचावकर्त्ता** के विवरण का सत्यापन करेगी।
  - पुष्टि के पश्चात्, **ज़िला स्तर की समिति**, ज़िला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में, **मान्यता-पत्र जारी** करेगी और पुरस्कार प्रक्रिया को संपन्न करेगी।
- **प्रभाव:**
  - इस पहल से **अधिक नागरिकों को बिना कानूनी जटिलताओं या हिचकिचाहट के दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने** के लिये प्रेरित करने की उम्मीद है।
  - पहले अनेक लोग **पुलिस या कानूनी समस्याओं के डर से** मदद करने से **बचते** थे।
    - राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) 2023 के अनुसार, **उत्तर प्रदेश** में भारत में **सड़क दुर्घटना** में सबसे अधिक **मृत्यु** दर्ज की गईं, वर्ष **2023 में 22,532 मृत्यु** हुईं, जो **राष्ट्रीय सड़क मृतकों का 14%** है।

डायरेक्ट-सीडेड राइस (DSR) कॉन्क्लेव 2025

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (ISARC) में आयोजित **डायरेक्ट-सीडेड राइस (DSR) कॉन्क्लेव** 2025 में उत्तर प्रदेश की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के विज़न के अनुरूप वर्ष 2030 तक वैश्विक खाद्य भंडार बनने के लक्ष्य की पुष्टि की।

- मुख्यमंत्री ने कृषि में **आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी** अपनाने को बढ़ावा देने के लिये नए **कृषि ज्ञान उत्पादों** तथा **यांत्रिकी नवाचारों** का शुभारंभ किया एवं किसानों को **मिनी किट** वितरित की।

मुख्य बिंदु

- **कॉन्क्लेव के बारे में:**
  - यह **नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत** के नेताओं के लिये एक **मंच** है, जहाँ वे उत्तर प्रदेश तथा उसके बाहर अनुकूल, समावेशी एवं जलवायु-संवेदनशील कृषि विकास के लिये क्रियान्वयन योग्य मार्ग तलाश करते हैं।
- **वैश्विक खाद्य भंडार विज़न:**
  - मुख्यमंत्री ने कॉन्क्लेव के दौरान **उत्तर प्रदेश कृषि विभाग की 150वीं वर्षगाँठ** के उपलक्ष्य में **सतत्, जलवायु-संवेदनशील और प्रौद्योगिकी-संचालित कृषि** परिवर्तनों पर ज़ोर दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्रों (CGIAR) के संघ को सहयोग देने की राज्य की महत्त्वाकांक्षा पर ज़ोर दिया, जिसमें **अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) और** अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (CIP) जैसे साझेदार शामिल हैं।
- ये सहयोग उन्नत प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर **खाद्य उत्पादन और गुणवत्ता** को बढ़ाएंगे।

- **कृषि प्रगति और उपलब्धियाँ:**
  - उत्तर प्रदेश भारत के खाद्य उत्पादन में एक **प्रमुख योगदानकर्त्ता** है, जो देश के कृषि योग्य क्षेत्र का केवल 11% होने के बावजूद **राष्ट्रीय उत्पादन में 21% का योगदान** देता है।
  - विगत **आठ वर्षों में** राज्य सरकार के प्रयासों के कारण कृषि-खाद्य उत्पादन में **पाँच गुना वृद्धि** हुई है, विशेष रूप से **अनाज, दालें,** तिलहन **और सब्ज़ियों में**।
  - यह सफलता राज्य द्वारा संचालित पहलों, जैसे– **मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा तथा किसान सम्मान निधि योजना** का परिणाम है, जिससे प्रतिवर्ष 10 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ हुआ है।
- **क्षमता निर्माण:**
  - राज्य में **चार कृषि विश्वविद्यालय** हैं तथा एक अन्य विश्वविद्यालय की स्थापना की योजना है। ये विश्वविद्यालय **अनुसंधान, प्रशिक्षण और ज्ञान-साझाकरण** प्रयासों के केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं एवं कृषि परिवर्तन को गति दे रहे हैं।
- **पारंपरिक कृषि ज्ञान:**
  - मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध कृषि परंपराएँ, जैसे प्रतिष्ठित **काला नमक चावल,** जो एक ज़िला एक उत्पाद पहल का हिस्सा है, ऐतिहासिक महत्त्व रखती हैं। क्योंकि इसे भगवान बुद्ध द्वारा **महाप्रसाद** के रूप में अर्पित किया गया था।

अभिधम्म दिवस

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) ने **गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान** और **संस्कृति मंत्रालय** के सहयोग से 6-7 अक्तूबर, 2025 को उत्तर प्रदेश के **ग्रेटर नोएडा में** स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस मनाया।

मुख्य बिंदु

- **अभिधम्म दिवस के बारे में:**
  - यह दिवस उस अवसर को स्मरण करता है जब बुद्ध ने अपनी **माता महामाया** के नेतृत्व में तावतिंस-देवलोक के देवताओं को अभिधम्म का उपदेश दिया था और बाद में इसे अपने शिष्य **अरहंत सारिपुत्त** के साथ साझा किया।
  - यह दिन **भगवान बुद्ध के तैंतीस दिव्य जीवों (तावतिंस देवलोक)** के **स्वर्गलोक** से **उत्तर प्रदेश के संकसिया (संकिसा बसंतपुर, फर्रुखाबाद)** में अवतरण का भी स्मरण कराता है।
  - इस स्थान का महत्त्व यहाँ स्थित **अशोक के हाथी स्तंभ** की उपस्थिति से प्रदर्शित होता है।
- **घटना का प्रतीक:**
  - अभिधम्म दिवस का आयोजन वर्षावास (वस्सा) और पवारणा उत्सव के समापन के अवसर पर किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **वर्षावास (वस्सा):** यह एक वार्षिक तीन महीने का मठवासी एकांतवास है, जो विशेष रूप से **मानसून** के मौसम के दौरान थेरवाद बौद्ध परंपरा में किया जाता है।
- **पवारणा उत्सव:** यह वस्सा के समापन का प्रतीक है, जहाँ **भिक्षु** एकत्र होकर एकांतवास के दौरान हुई किसी भी **गलती या भूल को स्वीकार करते हैं** और अपने साथी भिक्षुओं को आमंत्रित करते हैं कि वे उन कमियों को इंगित करें जो उन्होंने देखी हों। यह उत्सव **11वें चंद्र मास की पूर्णिमा** के दिन मनाया जाता है, जो आमतौर पर अक्तूबर में आता है।

- **मुख्य क्रियाएँ:**
  - आधुनिक संदर्भ में **अभिधम्म** के दार्शनिक, नैतिक और मनोवैज्ञानिक आयामों का अध्ययन करने के लिये **"बौद्ध विचार को समझने में अभिधम्म की प्रासंगिकता: पाठ, परंपरा** तथा **समकालीन परिप्रेक्ष्य"** पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।
  - **विनोद कुमार** द्वारा क्यूरेट की गई **90 देशों की 2,500 से अधिक बौद्ध डाक टिकटों** की एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें डाक टिकट संग्रह के माध्यम से बौद्ध विरासत की झलक प्रस्तुत की गई।
    - दो विषयगत **प्रदर्शनियाँ** आयोजित की गईं,जिनमें **"शरीर और मन पर बुद्ध धम्म"** तथा **पिपरहवा अवशेषों** पर प्रकाश डालने वाली एक प्रदर्शनी शामिल थी, जिसमें बुद्ध की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला गया।
  - इस कार्यक्रम में दो फिल्मों का प्रदर्शन किया गया - **"एशिया में बुद्ध धम्म का प्रसार"** और **"कुशोक बकुला रिनपोछे** - एक असाधारण भिक्षु की अद्भुत कहानी", जिसका निर्देशन डॉ. हिंडोल सेनगुप्ता ने किया था।

अभिधम्म पिटक

- **अभिधम्म पिटक** तीन पिटकों में अंतिम है, जो **पाली कैनन/त्रिपिटक** का हिस्सा है और थेरवाद बौद्ध धर्म के सबसे लोकप्रिय ग्रंथों में से एक है।
  - यह **सुत्तों में दिये गए बुद्ध के उपदेशों का विस्तृत शास्त्रीय विश्लेषण और सारांश** प्रस्तुत करता है।
  - इसमें **बौद्ध धर्म का दर्शन, सिद्धांत, मनोविज्ञान, दार्शनिक तर्क, नैतिकता और ज्ञानमीमांसा** शामिल है।
- त्रिपिटक के अन्य शेष पिटक **विनयपिटक और सुत्तपिटक हैं।**
  - **विनयपिटक में** संघ के भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिये **आचरण के नियम** हैं।
  - **सुत्तपिटक में** बुद्ध और उनके निकट शिष्यों द्वारा दिये गए **सुत्त (शिक्षाएँ/प्रवचन)** शामिल हैं।
- **अभिधम्म पिटक में सात पुस्तकें हैं:**
  - **धम्मसंगणि**- घटनाओं की गणना
  - **विभंग**- संधियों की पुस्तक
  - **धातुकथा**- तत्त्वों के संदर्भ में चर्चा
  - **पुग्गलापनट्टी (Puggalapanatti)**- व्यक्तित्व का विवरण
  - **कथावत्थु**- विवाद के बिंदु
  - **यमाका**- पुस्तकों का युग्म
  - **पथना (Patthana)** -संबंधों की पुस्तक
- भारत सरकार ने पाली भाषा को **शास्त्रीय भाषा घोषित किया है तथा अभिधम्मपिटक** सहित थेरवाद बौद्ध ग्रंथों की **प्रामाणिक भाषा** के रूप में इसके

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बौद्ध धर्म

Drishti IAS

उत्पत्ति

- छठी शताब्दी ईसा पूर्व, गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित

मुख्य विशेषताएँ

- सार - आत्मज्ञान की प्राप्ति (निर्वाण)
- सर्वोच्च देवता - कोई नहीं

सिद्धांत

- अति से बचें; मध्यम मार्ग (मध्य मार्ग) का पालन करें
- व्यक्तिवादी घटक (हर कोई अपनी खुशी के लिये स्वयं ज़िम्मेदार है)
- चार महान सत्य:
  - दुख (दु:ख)- संसार दुखों से भरा हुआ है
  - समुदय- प्रत्येक दुख का एक कारण है
  - निरोध- दुखों का निवारण किया जा सकता है
  - यह अथांग मग्गा (आष्टांगिक मार्ग) का पालन करके प्राप्त किया जा सकता है।
- आष्टांगिक मार्ग:
  - सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्मांत, सम्यक आजीव, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधि

बौद्ध धर्म अस्वीकार करता है

- वेदों की प्रामाणिकता
- आत्मा की अवधारणा (जैन धर्म के विपरीत)

प्रमुख बौद्ध ग्रंथ

- सुत्त पिटक (बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ - धम्म)
- विनयपिटक (भिक्षुओं/ननियों के लिये आचरण के नियम)
- अभिधम्म पिटक (दार्शनिक विश्लेषण)
- अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ- दिव्यवदान, दीपवंश, महावंश, मिलिंद पन्हो

पहली बौद्ध संगीति में बुद्ध की शिक्षाओं को 3 पिटकों में विभाजित किया गया था

इन शिक्षाओं को 25वीं शताब्दी ई.पू में पाली भाषा में लिखा गया था।

बौद्ध परिषद

बौद्ध परिषद	संरक्षक	स्थान	अध्यक्ष	वर्ष
पहली	अजातशत्रु	राजगृह	महाकस्यप	483 ई.पू.
दूसरी	कालाशोक	वैशाली	सुबुकामि	383 ई.पू.
तीसरी	अशोक	पाटलिपुत्र	मोगालिपुत्र	250 ई.पू.
चौथी	कनिष्क	कुण्डलवन (कश्मीर)	वसुमित्र	72 ई.

मैलानी-नानपारा ट्रैक हेरिटेज रूट घोषित

चर्चा में क्यों ?

भारतीय रेलवे द्वारा उत्तर प्रदेश के दुधवा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने वाली 171 किमी. लंबी **मैलानी-नानपारा मीटर गेज रेल लाइन** को **हेरिटेज रूट** घोषित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **मैलानी-नानपारा मीटर गेज रेलवे लाइन**, जिसका निर्माण लगभग **130 वर्ष पूर्व अंग्रेज़ों द्वारा कई चरणों में किया गया था**, में **16 स्टेशन, 71 पुल** और मैलानी तथा नानपारा पर **अद्वितीय दोहरे गेज स्टेशन** शामिल हैं।
- **प्रथम संरक्षित मीटर गेज लाइन:** यह पूर्वोत्तर रेलवे (NER) की **पहली मीटर गेज लाइन** है, जिसे **संरक्षित** किया गया है तथा इसे ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने के बजाय इसके **मौलिक रूप (नैरो गेज)** को बनाए रखा गया है।
- **सतत् पर्यटन मॉडल:** पूर्वोत्तर रेलवे ने **मैलानी और दुधवा** जैसे प्रमुख स्टेशनों पर **पारंपरिक रेलवे उपकरणों** को संरक्षित रखने तथा **मीटर गेज डीज़ल इंजनों** को समर्पित सुविधाओं पर बनाए रखने की योजना बनाई है।
- **हेरिटेज टूरिज़्म का शुभारंभ:** वर्ष 2022 में रेल मंत्री **अश्विनी वैष्णव** द्वारा **मैलानी-बिछिया AC टूरिस्ट कोच** का शुभारंभ किया गया, जिससे इस क्षेत्र में हेरिटेज टूरिज़्म की शुरुआत हुई।
  - इस नए **हेरिटेज दर्जे** से **पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा**, **क्षेत्रीय संपर्क में सुधार** तथा **स्थानीय आजीविका** को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है।
- **अन्य प्रमुख घटनाक्रम:**
  - **लखीमपुर-मैलानी ब्रॉड गेज खंड** के पीलीभीत तक विस्तार से मैलानी जंक्शन अब **हेरिटेज और आधुनिक रेलवे संरचना** के बीच एक कड़ी बन गया है।
  - हाल ही में नानपारा जंक्शन के माध्यम से बहराइच से नेपालगंज रोड खंड को भी **पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ब्रॉड-गेज ट्रैक के रूप में चालू किया गया,** जिससे क्षेत्रीय संपर्क में और वृद्धि हो गई है।
  - **अप्रैल 2025** में **गोरखपुर जंक्शन के 140 वर्ष** पूरे होने के उपलक्ष्य में **मैलानी से दुधवा तक विशेष हेरिटेज पर्यटक ट्रेन** संचालित की गई।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान

- **स्थापना:**
  - **दुधवा राष्ट्रीय उद्यान** उत्तर प्रदेश के **लखीमपुर खीरी ज़िले** में **भारत-नेपाल सीमा** पर स्थित है, जिसकी स्थापना **वर्ष 1977** में **490 वर्ग किमी. क्षेत्रफल** में विस्तृत एक संरक्षित क्षेत्र के रूप में की गई थी।
  - **दलदली हिरण (बारहसिंगा) की आबादी को विलुप्त होने से** बचाने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष **1958** में इस क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया।
  - **वर्ष** 1977 में इस अभयारण्य को **राष्ट्रीय उद्यान** का दर्जा दिया गया तथा **वन्यजीव संरक्षण** उपायों को सशक्त करने के लिये इसमें अतिरिक्त क्षेत्र भी शामिल किये गए।
  - **इस पार्क को वर्ष** 1987 **में** टाइगर रिज़र्व भी घोषित किया गया था, क्योंकि इस क्षेत्र में **बंगाल टाइगर्स** की उल्लेखनीय आबादी पाई जाती है।
- **जैवविविधता:**
  - इस पार्क में जीवों की एक समृद्ध विविधता है, जिसमें बंगाल टाइगर, तेंदुए, हाथी, **भालू**, भारतीय गैंडे और **450 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ शामिल हैं।**
    - **इसके पारिस्थितिक तंत्र में** घास के मैदान, **दलदल और तराई क्षेत्र** के विशिष्ट **घने साल के जंगल** शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **संरक्षण:**
  - प्रमुख पहलों में **आवास पुनर्स्थापन** और दलदली हिरण तथा बारहसिंगा जैसी **लुप्तप्राय प्रजातियों का पुन:प्रवेश शामिल है।**
  - **उद्यान** की जैवविविधता को संरक्षित करते हुए **सतत् पर्यटन को बढ़ावा देने** और **स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने** हेतु **ईको-टूरिज़्म कार्यक्रम** संचालित किये गए हैं।

मैलानी-नानपारा ट्रैक हेरिटेज रूट घोषित

चर्चा में क्यों ?

भारतीय रेलवे द्वारा उत्तर प्रदेश के दुधवा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने वाली 171 किमी. लंबी **मैलानी-नानपारा मीटर गेज रेल लाइन** को **हेरिटेज रूट** घोषित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **मैलानी-नानपारा मीटर गेज रेलवे लाइन**, जिसका निर्माण लगभग **130 वर्ष पूर्व अंग्रेज़ों द्वारा कई चरणों में किया गया था**, में **16 स्टेशन, 71 पुल** और मैलानी तथा नानपारा पर **अद्वितीय दोहरे गेज स्टेशन** शामिल हैं।
- **प्रथम संरक्षित मीटर गेज लाइन:** यह पूर्वोत्तर रेलवे (NER) की **पहली मीटर गेज लाइन** है, जिसे **संरक्षित** किया गया है तथा इसे ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने के बजाय इसके **मौलिक रूप (नैरो गेज)** को बनाए रखा गया है।
- **सतत् पर्यटन मॉडल:** पूर्वोत्तर रेलवे ने **मैलानी और दुधवा** जैसे प्रमुख स्टेशनों पर **पारंपरिक रेलवे उपकरणों** को संरक्षित रखने तथा **मीटर गेज डीज़ल इंजनों** को समर्पित सुविधाओं पर बनाए रखने की योजना बनाई है।
- **हेरिटेज टूरिज़्म का शुभारंभ:** वर्ष 2022 में रेल मंत्री **अश्विनी वैष्णव** द्वारा **मैलानी-बिछिया AC टूरिस्ट कोच** का शुभारंभ किया गया, जिससे इस क्षेत्र में हेरिटेज टूरिज़्म की शुरुआत हुई।
  - इस नए **हेरिटेज दर्जे** से **पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा, क्षेत्रीय संपर्क में सुधार** तथा **स्थानीय आजीविका** को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है।
- **अन्य प्रमुख घटनाक्रम:**
  - **लखीमपुर-मैलानी ब्रॉड गेज खंड** के पीलीभीत तक विस्तार से मैलानी जंक्शन अब **हेरिटेज और आधुनिक रेलवे संरचना** के बीच एक कड़ी बन गया है।
  - हाल ही में नानपारा जंक्शन के माध्यम से बहराइच से नेपालगंज रोड खंड को भी **पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ब्रॉड-गेज ट्रैक के रूप में चालू किया गया,** जिससे क्षेत्रीय संपर्क में और वृद्धि हो गई है।
  - **अप्रैल 2025** में **गोरखपुर जंक्शन के 140 वर्ष** पूरे होने के उपलक्ष्य में **मैलानी से दुधवा तक विशेष हेरिटेज पर्यटक ट्रेन** संचालित की गई।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान

- **स्थापना:**
  - **दुधवा राष्ट्रीय उद्यान** उत्तर प्रदेश के **लखीमपुर खीरी ज़िले** में **भारत-नेपाल सीमा** पर स्थित है, जिसकी स्थापना **वर्ष 1977** में **490 वर्ग किमी. क्षेत्रफल** में विस्तृत एक संरक्षित क्षेत्र के रूप में की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- दलदली हिरण (बारहसिंगा) की आबादी को विलुप्त होने से बचाने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 1958 में इस क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया।
- वर्ष 1977 में इस अभयारण्य को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया तथा वन्यजीव संरक्षण उपायों को सशक्त करने के लिये इसमें अतिरिक्त क्षेत्र भी शामिल किये गए।
- इस पार्क को वर्ष 1987 में टाइगर रिज़र्व भी घोषित किया गया था, क्योंकि इस क्षेत्र में बंगाल टाइगर्स की उल्लेखनीय आबादी पाई जाती है।

- **जैवविविधता:**
  - इस पार्क में जीवों की एक समृद्ध विविधता है, जिसमें बंगाल टाइगर, तेंदुए, हाथी, भालू, भारतीय गैंडे और **450 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ शामिल हैं।**
    - **इसके पारिस्थितिक तंत्र में घास के मैदान, दलदल और तराई क्षेत्र** के विशिष्ट **घने साल के जंगल** शामिल हैं।
- **संरक्षण:**
  - प्रमुख पहलों में **आवास पुनर्स्थापन** और दलदली हिरण तथा बारहसिंगा जैसी **लुप्तप्राय प्रजातियों का पुन:प्रवेश शामिल है।**
  - **उद्यान** की जैवविविधता को संरक्षित करते हुए **सतत् पर्यटन को बढ़ावा देने** और **स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने** हेतु **ईको-टूरिज़्म कार्यक्रम** संचालित किये गए हैं।

IUCN द्वारा घड़ियाल का पहली बार 'ग्रीन स्टेटस' आकलन

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने *घड़ियाल (Gavialis Gangeticus)* की पहली '**ग्रीन स्टेटस**' (Green Status) का आकलन जारी किया है।

- प्रजाति को लगातार संरक्षण प्रयासों के बावजूद जारी खतरों के कारण "**गंभीर रूप से क्षीण**" (Critically Depleted) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

मुख्य निष्कर्ष

- **आवास:**
  - **चंबल नदी** (**उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान** में लगभग **500 किमी.** तक विस्तृत है) घड़ियालों का अंतिम प्रमुख आश्रय स्थल बनी हुई है, जहाँ कई हज़ार घड़ियाल पाए जाते हैं।
    - चंबल अभयारण्य (**1979 में स्थापित**) वन में **घड़ियालों की प्रजनन योग्य संख्या वाला एकमात्र स्थल** है। यह अभयारण्य गंगा नदी डॉल्फिन और **रेड-क्राउन रूफ्ड टर्टल** जैसी अन्य लुप्तप्राय प्रजातियों का भी संरक्षण करता है।
    - अन्य संख्याएँ केवल **उत्तर भारत और नेपाल में छोटे तथा पृथक् क्षेत्रों** में ही पाई जाती हैं।
  - विश्व वन्यजीव कोष (WWF) इंडिया **की रिपोर्ट** के अनुसार, केवल **0.5% युवा घड़ियाल** ही वयस्क अवस्था तक जीवित रहते हैं, जो उनके **घोंसले बनाने वाले आवासों की सुरक्षा की अत्यंत आवश्यकता** को रेखांकित करता है, जिससे उनकी पुनर्प्राप्ति में सहायता मिल सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस 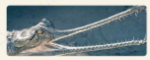	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I
CMS स्थिति	परिशिष्ट I	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची I	अनुसूची I	अनुसूची I
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार; भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975; मगर संरक्षण कार्यक्रम; मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Drishti IAS

- **ऐतिहासिक क्षेत्र और ह्रास:** एक समय में **गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, सिंधु और इरावती** जैसी प्रमुख नदी प्रणालियों में व्यापक रूप से पाए जाने वाले घड़ियालों को बड़े पैमाने पर **बालू खनन, शिकार (पशुओं की खाल के लिये), अंडों का संग्रह, बांधों** तथा **बैराजों** के निर्माण के कारण तेज़ी से आवासीय विनाश का सामना करना पड़ा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **1970 के दशक** तक यह प्रजाति अपने ऐतिहासिक क्षेत्र के लगभग **98%** क्षेत्र से विलुप्त हो चुकी थी।
- वर्तमान अनुमान के अनुसार वन में लगभग **681 वयस्क घड़ियाल** बचे हैं, जिनमें से **80% चंबल नदी** में आवास करते हैं।

- **IUCN 'ग्रीन स्टेटस' बनाम रेड लिस्ट: IUCN ग्रीन स्टेटस पारंपरिक रेड लिस्ट** से भिन्न है, क्योंकि इसमें केवल विलुप्त होने के जोखिम के बजाय **पूर्ण पारिस्थितिक पुनर्प्राप्ति** (Full Ecological Recovery) की दिशा में प्रगति का आकलन किया जाता है।

उत्तर प्रदेश ड्रोन सुरक्षा नीति

चर्चा में क्यों ?

पिछले चार महीनों के दौरान, उत्तर प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में बिना **अनुमति के ड्रोन उड़ाने या 'ड्रोन गैंग'** के संबंध में अफवाहें फैलाने के मामलों में कई <u>प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)</u> दर्ज की गईं और कई व्यक्तियों को **गिरफ्तार** किया गया।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** इस नीति का उद्देश्य **ड्रोन संचालन की सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करने** के लिये **ज़िला** तथा **आयुक्तालय स्तर (Commissionerate Level) पर सख्त निगरानी एवं नियमों का पालन** करना है।
- **ड्रोन निगरानी और पंजीकरण रजिस्टर:** हर ज़िले को यह सुनिश्चित करना है कि **सभी पंजीकृत ड्रोन, उनके ऑपरेटर और स्थानीय रिपेयर केंद्रों का विवरण समर्पित रजिस्टर में दर्ज** तथा **ट्रैक** किया जाए।
- ड्रोन निगरानी समितियाँ:
  - **अध्यक्ष:** ज़िले स्तर की ड्रोन समिति की अध्यक्षता **ज़िला मजिस्ट्रेट (DM)** करेंगे।
  - **सदस्य:** समिति में **वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) या पुलिस अधीक्षक (SP)** और **अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट (ADM)** सदस्य होंगे।
  - **ज़िम्मेदारियाँ:** समिति का कार्य **ड्रोन संचालन की निगरानी, नियमों का पालन सुनिश्चित करना** और **अनधिकृत उपयोग के मामलों का निवारण** करना है।
- सीमित हवाई क्षेत्र के लिये रेड ज़ोन:
  - **अस्थायी रेड ज़ोन:** आवश्यकतानुसार, **ज़िला स्तर की समिति** अस्थायी रेड ज़ोन घोषित करने का अधिकार रखती है।
  - **अवधि:** रेड ज़ोन **अधिकतम 96 घंटे तक प्रभावी** रहेंगे और इन्हें **डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म पर चिह्नित** किया जाएगा।
- स्थानीय खुफिया और जागरूकता अभियान:
  - **खुफिया नेटवर्क:** ड्रोन से संबंधित अफवाहों को रोकने के लिये **स्थानीय खुफिया नेटवर्क और सोशल मीडिया निगरानी** सक्रिय की जाएगी।
  - **सार्वजनिक जागरूकता:** जनता को **वैध ड्रोन गतिविधियों** के संबंध में शिक्षित करने के लिये UP-112 और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जाएँगे।
  - **तत्काल पुलिस प्रतिक्रिया:** ड्रोन गतिविधियों से संबंधित किसी भी शिकायत या चिंता पर **पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया** सुनिश्चित की जाएगी।
- **ऑनलाइन ड्रोन पंजीकरण पोर्टल:** राज्य सरकार **उत्तर प्रदेश में संचालित सभी ड्रोन के पंजीकरण के लिये ऑनलाइन पोर्टल** स्थापित करेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- सभी **ड्रोन ऑपरेटरों को इस प्लेटफॉर्म पर अपने विवरण घोषित करना अनिवार्य** होगा और ये विवरण **स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज** किये जाएँगे।
- प्रत्येक पुलिस थाना को **स्थानीय रजिस्टर में ड्रोन के रजिस्ट्रेशन नंबर, स्वामित्व विवरण और स्थानीय मैकेनिक की जानकारी** दर्ज करनी होगी।

- **दंड:** अनधिकृत ड्रोन संचालन पर **ड्रोन नियम, 2021** और लागू **आपराधिक कानूनों** के अनुसार **कड़ी सज़ा** दी जाएगी।
- **सहयोग और समन्वय:** किसी भी संदेहास्पद हवाई खतरे की स्थिति में **पुलिस तुरंत वायुसेना ऑपरेशन रूम और सिविल एविएशन निदेशालय** को सूचित करेगी।
- **सर्वे अधिसूचना:** स्थानीय पुलिस थाना को **पूर्व सूचना दिये बिना किसी भी ड्रोन सर्वेक्षण** की अनुमति नहीं होगी।

इंडो-गैंगेटिक मैदान (IGP) में पीएम2.5 स्तर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) द्वारा एक रिपोर्ट जारी की गई है, जो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा पर आधारित है। इस रिपोर्ट में वाराणसी को 17 शहरों में से सबसे स्वच्छ और कोलकाता को **तीसरे सबसे स्वच्छ शहर** के रूप में स्थान दिया गया है, जो कि इंडो-गैंगेटिक मैदान (IGP) में PM2.5 सांद्रता के संदर्भ में है।

मुख्य बिंदु

- शहरों की पीएम2.5 स्तर के अनुसार रैंकिंग:
  - **वाराणसी:** IGP के शहरों में सबसे कम पीएम2.5 सांद्रता के साथ सूची में शीर्ष पर।
  - **सिलीगुड़ी और प्रयागराज:** पीएम2.5 स्तर के मामले में दूसरे स्थान पर समान रैंक।
  - **कोलकाता:** IGP में तीसरे स्थान पर, जो अन्य कई शहरों की तुलना में अपेक्षाकृत स्वच्छ वायु को दर्शाता है।
  - **गाज़ियाबाद:** IGP का सबसे प्रदूषित शहर, जहाँ प्रदूषण का स्तर काफी अधिक है।
- **भौगोलिक और मौसमीय कारक:** इंडो-गैंगेटिक मैदान (IGP) एक **वैश्विक स्तर का वायु प्रदूषण हॉटस्पॉट** है, जो **घनी जनसंख्या, उच्च मानव गतिविधियाँ** और **अनुकूल नहीं मौसमीय परिस्थितियों** के संयोजन के कारण होता है।
  - इस क्षेत्र में PM2.5 और अन्य प्रदूषकों की उच्च स्तर की सांद्रता पाई जाती है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा जीवन प्रत्याशा पर गंभीर प्रभाव डालती है।
  - **कोलकाता**, जो IGP के **पूर्वी छोर** पर स्थित है, में **सिमा-पार वायु प्रदूषण** का अनुभव होता है, जो आमतौर पर **गंगीय घाटी के उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व** की ओर प्रवाहित होता है और शहर के प्रदूषण भार में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है।
- **राष्ट्रीय और क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता अनुपालन:** CREA अध्ययन में शामिल **भारत के 235 शहरों** में, **नंदेसरी (गुजरात)** ने सबसे निम्नस्तरीय पीएम2.5 सांद्रता **89 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर** दर्ज की, जबकि **करवार (कर्नाटक)** सबसे स्वच्छ शहर के रूप में सामने आया, जहाँ पीएम2.5 केवल **4 माइक्रोग्राम** था।
  - **दिल्ली** को राष्ट्रीय स्तर पर **28वाँ स्थान** मिला, जहाँ पीएम2.5 का स्तर **36 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर** के साथ **मध्यम प्रदूषण** के श्रेणी में है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम में शामिल **93 शहरों**, जिनमें **कोलकाता** भी शामिल है, ने राष्ट्रीय परिवेशीय वायु गुणवत्ता मानक (National Ambient Air Quality Standard- NAAQS) **40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर** को पूरा किया, जो वायु गुणवत्ता में सुधार की सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है।
  - हालाँकि, केवल 32 शहरों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा निर्धारित **15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर** के अधिक सख्त मानक का पालन किया।

वायु प्रदूषण

- **परिचय:** वायु प्रदूषण में **ठोस, द्रव, गैस, ध्वनि और रेडियोधर्मी विकिरण** का वातावरण में ऐसा होना शामिल है, जिसकी सांद्रता **मनुष्यों, जीव-जंतुओं, संपत्ति या पर्यावरणीय प्रक्रियाओं के लिये हानिकारक** हो।
  - ये पदार्थ, जिन्हें प्रदूषक कहा जाता है, प्राकृतिक या मानव-निर्मित हो सकते हैं और विभिन्न स्रोतों द्वारा उत्पन्न हो सकते हैं, जैसे: औद्योगिक प्रक्रियाएँ, वाहनों के उत्सर्जन, **कृषि गतिविधियाँ, प्राकृतिक घटनाएँ**, जैसे वनाग्नि और ज्वालामुखी विस्फोट।
- **कणीय पदार्थ (Particulate Matter- PM):** PM वायु में **अत्यंत सूक्ष्म कणों और द्रव बूँदों के मिश्रण** को दर्शाता है। ये कण विभिन्न आकारों में होते हैं तथा सैकड़ों अलग-अलग यौगिकों से बने हो सकते हैं।
  - **PM10 (सहजीव कण/Coarse particles):** 10 माइक्रोमीटर या उससे निम्न व्यास वाले कण।
  - **PM2.5 (सूक्ष्म कण/Fine particles):** 2.5 माइक्रोमीटर या उससे छोटे व्यास वाले कण।

गोमती पुनर्जीवन मिशन

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने **'गोमती पुनर्जीवन मिशन'** (Gomti Rejuvenation Mission) की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य **गोमती नदी के अबाध प्रवाह और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन** को सुनिश्चित करना है।

- इस मिशन का लक्ष्य नदी में मिलने वाले **शहरी सीवेज के 95% प्रवाह को रोकना** है, जो गोमती नदी के पर्यावरणीय और सांस्कृतिक पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

- **दायरा एवं उद्देश्य:** यह मिशन **पीलीभीत से गाज़ीपुर** तक पूरे नदी बेसिन को कवर करता है, ताकि गोमती नदी को उसकी **स्वच्छ, अविरल और प्राकृतिक अवस्था** में पुनर्स्थापित किया जा सके।
- **प्रस्तावित कदम:**
  - अतिरिक्त नालों को मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (STP) की ओर मोड़ा जाएगा।
  - नए **उपचार संयंत्र** स्थापित किये जाएंगे और पुराने संयंत्रों का **उन्नयन** किया जाएगा।
  - नदी की समुचित सफाई और निगरानी सुनिश्चित करने के लिये **ट्रैक बोट्स, फ्लोटिंग बैरियर्स** तथा **एक्सकैवेटर्स** तैनात किये जाएँगे।
  - **अवैध निर्माणों** से उत्पन्न **अतिक्रमण और प्रवाह में कमी** की समस्या को दूर करने के लिये, नदी के **प्राकृतिक मार्ग की बहाली** हेतु **ज़िला-विशिष्ट कार्ययोजनाएँ** तैयार करने के निर्देश दिये गए हैं।
- **उद्देश्य:**
  - **नए** वेटलैंड्स का निर्माण, जैसे– लखनऊ में **एकाना वेटलैंड** और **सजन लेक**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गोमती नदी

- गोमती नदी [गंगा नदी](#) की एक **960 किमी. लंबी उपनदी** है।
- यह **पीलीभीत ज़िले के मधो टांडा** से निकलती है और **गाज़ीपुर के कैथी** में गंगा से मिल जाती है।

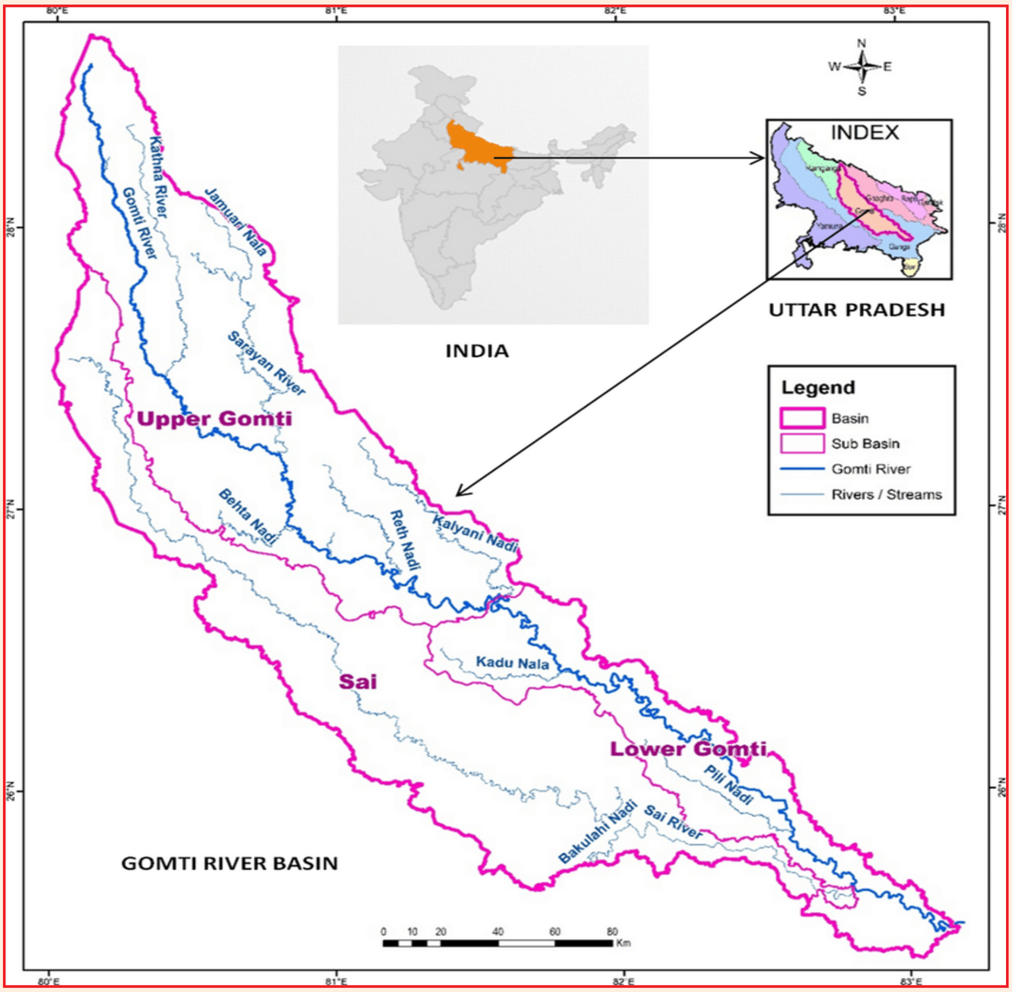

- **अतिक्रमण हटाने, घाटों की सजावट** तथा **हरित गलियारों** के प्रचार-प्रसार के लिये अभियान।
- नदी में प्रदूषण और सीवर ब्लॉकेज को रोकने के लिये **सिंगल-यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध** का कड़ाई से पालन।
- इसे एक **जन आंदोलन** बनाने के लिये शैक्षिक और सामाजिक संस्थाओं के मार्गदर्शन में **सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम**।

- **प्रशासनिक ढाँचा: गोमती टास्क फोर्स**, जिसे **जनवरी 2025** में [राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG)](#) के अंतर्गत गठित किया गया, इस मिशन के कार्यान्वयन का नेतृत्व करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- इसमें **स्टेट क्लीन गंगा मिशन, सिंचाई विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जल निगम, लखनऊ नगर निगम और लखनऊ विकास प्राधिकरण** के प्रतिनिधि शामिल हैं, साथ ही **पर्यावरण विशेषज्ञ** भी इसमें भाग लेंगे।
- **निगरानी तंत्र:** मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि:
  - **गोमती टास्क फोर्स** की मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएँ।
  - त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टें **मुख्यमंत्री कार्यालय** को प्रस्तुत की जाएँ।
  - कार्य में **अविरलता सुनिश्चित करने के लिये पर्याप्त वित्तीय और लॉजिस्टिक समर्थन** प्रदान किया जाए।
- **वर्तमान स्थिति:** नदी में कुल **39 प्रमुख नाले** गिरते हैं, जिनमें से **13 का उपचार नहीं हुआ है**, जबकि नदी के मार्ग में वर्तमान में **छह STP** संचालन में हैं।

ऑपरेशन शिकंजा

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश पुलिस के **आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW)** ने 9 से 13 अक्तूबर, 2025 तक **'ऑपरेशन शिकंजा'** चलाया, जिसके तहत राज्य भर में **23 फरार आर्थिक अपराधियों को गिरफ्तार** किया गया।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - उत्तर प्रदेश में बड़े **वित्तीय घोटालों में लिप्त लंबे समय से फरार अपराधियों** को पकड़ना।
  - गबन की गई **सार्वजनिक धनराशि की जवाबदेही सुनिश्चित करना और उसकी वसूली** करना।
  - समन्वित पुलिसिंग के माध्यम से **श्वेतपोश (White-Collar)** अपराधों **के विरुद्ध कानून** के शासन को सुदृढ़ करना।
- **समन्वय:** महानिदेशक नीरा रावत के निर्देशों के तहत आठ विशेषीकृत टीमों ने डिजिटल इंटेलिजेंस के सहयोग से एक साथ **कई ज़िलों में छापेमारी अभियान** चलाया, जो **रियल-टाइम** की निगरानी के माध्यम से **समन्वित** किये गए थे ताकि भागने से रोका जा सके।
- **प्रभाव:** चार दिनों के भीतर 23 भगोड़े गिरफ्तार किये गए, लंबित वारंटों को लागू किया गया और धोखाधड़ी से प्राप्त सार्वजनिक धन की वसूली शुरू की गई।
  - आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) ने घोषणा की है कि 'ऑपरेशन शिकंजा' के तहत कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक सभी आर्थिक अपराधी गिरफ्तार नहीं हो जाते।
- **महत्त्व:** यह अभियान उत्तर प्रदेश में वित्तीय अपराधों पर डिजिटल निगरानी और अंतर-ज़िला सहयोग के माध्यम से एक समन्वित राज्यव्यापी कार्रवाई का प्रतिनिधित्व करता है, जो आर्थिक न्याय की प्राप्ति में EOW के प्रयासों में **जनता के विश्वास को सुदृढ़** करता है।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (Economic Offences Wing- EOW)

- **परिचय:**
  - इसकी स्थापना **वर्ष 1970 में अपराध अन्वेषण विभाग (CID)** के अंतर्गत **आर्थिक अपराधों से निपटने** के लिये की गई थी।
  - **वर्ष 1972 में** सरकार ने EOW को **10 विभागों** से संबंधित अपराधों की जाँच का दायित्व सौंपा- वन, परिवहन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, स्थानीय निकाय, उद्योग, आबकारी/एक्साइज़, कृषि, पंचायती राज, अल्प सिंचाई और बिक्री कर विभाग।
  - **1977 में** EOW को पुनर्गठित कर इसे **उत्तर प्रदेश पुलिस की एक अलग विशेष अन्वेषण शाखा** बनाई गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **वर्ष 2006 में** EOW के कार्यक्षेत्र को विस्तारित कर **सभी सरकारी विभागों से जुड़े आर्थिक अपराधों** को शामिल किया गया।
- **वर्ष 2018 में** सरकार ने इसके परिचालन क्षेत्र को सशक्त करने हेतु **लखनऊ, वाराणसी, मेरठ और कानपुर में चार EOW थाने** स्थापित किये।

- **प्रकार्य:** यह विभिन्न सरकारी संस्थाओं से जुड़े **धोखाधड़ी, ठगी और सरकारी धन के दुरुपयोग** के मामलों की जाँच करते है; अपराध की गंभीरता के आधार पर इसे **निजी व्यक्तियों या संगठनों से संबंधित मामलों** की जाँच का दायित्व भी सौंपा जा सकता है तथा यह **सरकारी राजस्व हानि से संबंधित खुफिया जानकारी एकत्र** कर उचित **सरकारी कार्रवाई** के लिये प्रस्तुत करता है।

उत्तर प्रदेश में फाइलेरिया संक्रमण की दर में गिरावट

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के **51 ज़िलों** के **782 प्रभावित ब्लॉकों में से 544 (लगभग 70%) ब्लॉकों** में फाइलेरिया संक्रमण की दर 1% से नीचे आ गई है। यह राज्य के फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में एक बड़ी उपलब्धि है।

- शेष 238 ब्लॉकों में प्रयास जारी हैं। राज्य का लक्ष्य वर्ष **2027 तक फाइलेरिया का पूर्ण उन्मूलन** करना है। इस दिशा में **निगरानी को सुदृढ़ करने, अंतर-विभागीय समन्वय बढ़ाने** तथा **ज़िलों के बीच फील्ड स्तर की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने** पर विशेष ज़ोर दिया जा रहा है।

फाइलेरियासिस से संबंधित प्रमुख तथ्य

- **परिचय:** फाइलेरियासिस एक परजीवी संक्रमण है जो सूक्ष्म, धागे जैसे कृमियों/कीड़ों (फाइलेरिया) द्वारा होता है जिन्हें फाइलेरिया कहा जाता है। यह **संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता** है और विश्व भर के **उष्णकटिबंधीय** तथा **उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में लाखों लोगों को प्रभावित करता है।
- कारण एवं संक्रमण:
  - लिंफैटिक फाइलेरियासिस एक परजीवी रोग है जो **फिलेरियोडिडिया परिवार** के **नेमाटोड्स** (Roundworms) से होता है।
  - इस रोग के लिये ज़िम्मेदार **तीन मुख्य** फाइलेरियल कृमि हैं:
    - **वुचेरेरिया बैनक्रॉफ्टी:** यह 90% मामलों के लिये ज़िम्मेदार है,
    - **ब्रुगिया मैलेई:** यह शेष अधिकांश मामलों का कारण बनता है,
    - **ब्रुगिया टिमोरी:** यह भी इस रोग का कारण बनता है।
- **लक्षण:** लिंफैटिक फाइलेरियासिस संक्रमण में लक्षणहीन, तीव्र और दीर्घकालिक अवस्थाएँ शामिल होती हैं।
  - दीर्घकालिक अवस्था में, यह लसिका सूजन (lymphoedema) या हाथ-पाँव की सूजन/त्वचा एवं फीलपाँव या हाथीपाँव (Elephantiasis) और हाइड्रोसील (स्क्रोटल स्वेलिंग) का कारण बनता है।
- **उपचार:** विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) **लिंफैटिक फाइलेरियासिस के वैश्विक उन्मूलन को तीव्र करने** हेतु तीन दवा वाले उपचार की अनुशंसा करता है। इसे **ट्रिपल ड्रग थैरेपी (IDA)** कहा जाता है, जिसमें **आइवरमेक्टिन (Ivermectin), डाइएथिलकार्बामाज़ीन साइट्रेट (Diethylcarbamazine citrate)** और **अल्बेंडाज़ोल (Albendazole)** का संयोजन शामिल होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

उत्तर प्रदेश में काऊ टूरिज़्म को प्रोत्साहन

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में **"काऊ टूरिज़्म" (गौ-पर्यटन)** को विकसित करने की योजना की घोषणा की है। इसका उद्देश्य **गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाना** और उन्हें **पर्यटक आकर्षण** के रूप में बदलना है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - **हर ज़िले में एक आदर्श गौशाला स्थापित करना:** इसे पर्यटन का मॉडल केंद्र और स्थानीय आय का स्रोत बनाया जाए।
  - **गौशालाओं की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना:** गोबर, मूत्र, दूध और घी जैसे गौ-आधारित उत्पादों के वाणिज्यिक उपयोग को बढ़ावा देना। अधिकारियों को इन संसाधनों के **प्रभावी उपयोग के लिये ज़िला-स्तरीय योजना** तैयार करने के निर्देश दिये गए हैं।
  - **महिला स्वयं-सहायता समूहों (SHG) को शामिल करना:** स्थानीय स्तर पर **गोबर आधारित और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों** के निर्माण और विपणन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना।
- **पहल:**
  - सरकार **दीवाली अभियान** शुरू करेगी, जिसमें **गोबर से बने दीपक और सजावटी वस्तुओं** को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि **पर्यावरण-अनुकूल उत्सव** मनाए जा सकें।
  - ये उत्पाद '**वोकल फॉर लोकल**' (Vocal for Local) पहल के तहत प्रचारित किये जाएंगे, जिससे नागरिकों को **सतत् और देशी उत्पाद अपनाने** के लिये प्रोत्साहित किया जा सके।
- **प्रभाव:**
  - गौशालाओं की **आर्थिक क्षमता बढ़ाकर भटकते हुए पशुओं के प्रबंधन की चुनौती** को हल करना।
  - **गौ-आधारित उद्योगों** के माध्यम से **रोज़गार और उद्यमिता के अवसर** सृजित करना।
  - **गौ-रक्षा प्रयासों को सुदृढ़ करना** और साथ ही **पर्यावरण-सचेत पर्यटन** तथा **ग्रामीण विकास** को प्रोत्साहन प्रदान करना।

रक्षा मंत्री ने भविष्य हेतु तैयार सशस्त्र बलों पर पुस्तक का विमोचन किया

चर्चा में क्यों?

14 अक्तूबर, 2025 को **रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह** ने **चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान** द्वारा लिखित पुस्तक *"रेडी, रिलेवेंट एंड रिसर्जेंट II: शेपिंग ए फ्यूचर रेडी फोर्स"* का विमोचन किया।

मुख्य बिंदु

- यह पुस्तक भारत के सशस्त्र बलों को भविष्य की चुनौतियों हेतु तैयार करने हेतु **एक व्यापक और दूरदर्शी रूपरेखा** प्रस्तुत करती है।
- इसमें **युद्ध के बदलते स्वरूप का गहन विश्लेषण** किया गया है, जिसमें संघर्ष के विकास का अवलोकन और उभरते क्षेत्रों, जैसे– **साइबरस्पेस, अंतरिक्ष-संचालित अभियान** तथा **संज्ञानात्मक युद्ध (Cognitive Warfare)** का अध्ययन शामिल है एवं इनकी भारतीय सशस्त्र बलों के लिये बढ़ती महत्ता को रेखांकित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **सशक्त सैन्य नेतृत्व और संस्थागत अनुकूलनशीलता** के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए लेखक भारत के सैन्य भविष्य की **साहसी पुनर्कल्पना** प्रस्तुत करते हैं, जो **ऐतिहासिक ज्ञान से प्रेरित तकनीकी नवाचार का उपयोग करती है** तथा **सजग, विश्वसनीय और पुनरुत्थानशील भारत** के दृष्टिकोण पर आधारित है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) का पद **वर्ष 2019** में स्थापित किया गया था। CDS **रक्षा मंत्री के प्रमुख सैन्य सलाहकार** के रूप में सभी **तीन सेनाओं (थ्री-सर्विसेज) से संबंधित मामलों** में मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी के स्थायी अध्यक्ष के रूप में CDS को इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के मुख्यालय द्वारा अपने निर्दिष्ट किये गए कार्यों को निभाने में सहायता प्रदान की जाती है।
- **वेतन एवं रैंक: सैन्य कार्य विभाग (Department of Military Affairs)** का प्रमुख होने के साथ ही CDS चार सितारा जनरल (Four-Star General) के पद पर होता है तथा उसका वेतन व भत्ते सेवा प्रमुख (Service Chief) के बराबर होते हैं।

उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर में 256 अपराधी ढेर

चर्चा में क्यों?

मिशन शक्ति 5.0 पहल के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपराधियों की धर-पकड़ की कार्रवाई तेज़ कर दी है। इस क्रम में पिछले 20 दिनों में एनकाउंटर में कई कुख्यात अपराधियों को या तो मारा गया या गिरफ्तार किया गया है।

CRACKDOWN INTENSIFIES
Encounters during past 8 years

- 256 hardened criminals killed in encounters
- 15,726 encounters executed across UP
- 31,960 criminals arrested, 10,324 injured
- 18 police personnel lost lives, while 1,754 sustained injuries

Top 3 Zones

Zone	Encounters	Killed
Meerut	4,453	85
Varanasi	1,108	27
Bareilly	2,374	22

Commissionerates

City	Encounters	Killed
Ghaziabad	736	13
Lucknow	138	12
Gautam Budh Nagar	1,117	9
Varanasi	131	7
Kanpur	234	4
Agra	458	7
Prayagraj	141	6

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य **महिलाओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखना** तथा पुलिस में जनता का **विश्वास दृढ़ करना** है। यह सरकार की **अपराध और अपराधियों के प्रति शून्य-सहनशीलता नीति** को जारी रखता है।
- **कानून और व्यवस्था का रिकॉर्ड (2017-25):** वर्ष 2017 से उत्तर प्रदेश पुलिस ने **15,726 एनकाउंटर** किये, जिनके परिणामस्वरूप:
  - **256 कुख्यात अपराधी मारे गए हुए**
  - **31,960 अपराधी गिरफ्तार** और **10,324 घायल** हुए
  - **18 पुलिसकर्मी शहीद** और **1,754 घायल** हुए
- क्षेत्रवार आँकड़े (Zone-Wise Data):
  - **मेरठ ज़ोन:** 4,453 एनकाउंटर, 8,312 गिरफ्तारी, 85 मारे गए, 3,131 घायल (2 पुलिस शहीद, 461 घायल)
  - **वाराणसी ज़ोन:** 1,108 एनकाउंटर, 2,128 गिरफ्तारी, 27 मारे गए, 688 घायल
  - **आगरा ज़ोन:** 2,374 एनकाउंटर, 5,631 गिरफ्तारी, 22 मारे गए, 816 घायल
  - **लखनऊ ज़ोन:** 846 एनकाउंटर, 17 अपराधी मारे गए
  - **प्रयागराज ज़ोन:** 572 एनकाउंटर, 10 अपराधी मारे गए
- **अतिरिक्त उपाय:**
  - **गैंगस्टर एक्ट,** राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) और **संपत्ति ज़ब्ती कानून** का उपयोग संगठित अपराध सिंडिकेट्स के विरुद्ध किया गया।
  - लगातार चलाए जा रहे अभियान का उद्देश्य **आपराधिक नेटवर्क को तोड़ना** और **माफियाओं के वित्तीय संसाधनों को बाधित करना** है।
  - सरकार की रणनीति का मार्गदर्शन *"एक अपराधी या तो कारावास में रहेगा या राज्य से बाहर"* (*A criminal will either be in jail or out of the state*) सिद्धांत करता है।
- प्रभाव:
  - इस अभियान से **अपराध दर में उल्लेखनीय कमी** आई और राज्य में **सुरक्षा की भावना को बल मिला।**
  - इसने जनता का **कानून-व्यवस्था में विश्वास पुनर्स्थापित** किया और **उत्तर प्रदेश की सुरक्षित और भय-मुक्त राज्य की छवि** को सुदृढ़ किया।

भारत में पुलिस एनकाउंटर से संबंधित दिशा-निर्देश

- **सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश (2014):** *पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज़* (***People's Union for Civil Liberties***) **बनाम महाराष्ट्र राज्य (2014)** मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस एनकाउंटर में हुई मृत्यु में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये।
  - सर्वोच्च न्यायालय ने सभी **एनकाउंटर मृत्यु के मामलों में FIR दर्ज करना** और **मजिस्ट्रियल जाँच करवाना** अनिवार्य किया, ताकि **कानूनी प्रक्रिया का पालन** सुनिश्चित हो सके।
  - मृतक के **निकटतम संबंधियों (Next of Kin)** को जाँच प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिये, ताकि **निष्पक्षता और पारदर्शिता** बनी रहे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- जाँच को **स्वतंत्र एजेंसी** जैसे कि **अपराध अन्वेषण विभाग (CID)** द्वारा किया जाना चाहिये, ताकि **पक्षपात से बचा जा सके और हित संघर्ष (conflict of interest) रोका जा सके।**

- **NHRC दिशा-निर्देश (1997 और 2010):**
  - **वर्ष 1997:** NHRC ने **एनकाउंटर मृत्यु के मामलों के पंजीकरण, राज्य CID द्वारा स्वतंत्र जाँच** और यदि पुलिस दोषी पाई गई तो **निर्भर व्यक्तियों को मुआवज़ा** प्रदान करने का निर्देश दिया।
  - **वर्ष 2010 (संशोधन):** एनकाउंटर मृत्यु की **सूचना NHRC को 48 घंटे के भीतर देना** अनिवार्य किया गया और **तीन महीने के भीतर विस्तृत फॉलो-अप रिपोर्ट** प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिसमें **पोस्टमार्टम, इनक्वेस्ट** तथा **जाँच निष्कर्ष** शामिल हों।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024-25 में स्थापित हुई 4,000 नई फैक्ट्रियाँ

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश ने **औद्योगिक विकास में महत्त्वपूर्ण प्रगति** की है एवं वर्ष 2024–25 के दौरान **4,000 नई फैक्ट्रियाँ** स्थापित की गई हैं। इसके साथ ही, राज्य में **संचालित फैक्ट्रियों की कुल संख्या 27,000** से अधिक हो गई है।

मुख्य बिंदु

- नवस्थापित औद्योगिक इकाइयाँ **इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा निर्माण, ऑटोमोबाइल, रसायन** तथा **नवीकरणीय ऊर्जा** जैसे विविध क्षेत्रों को कवर करती हैं।
- औद्योगिक निवेश अब **नोएडा, ग्रेटर नोएडा और लखनऊ जैसे पारंपरिक औद्योगिक केंद्रों से आगे बढ़कर बरेली, कानपुर, झाँसी, गोरखपुर, आज़मगढ़** तथा **प्रयागराज** जैसे उभरते शहरों तक पहुँच रहा है।
- इन औद्योगिक इकाइयों में सम्मिलित रूप से **12.8 लाख से अधिक श्रमिक कार्यरत** हैं, जो भारत के **कुल औद्योगिक कार्यबल का 8.3%** है।
- वार्षिक औद्योगिक सर्वेक्षण (2023-24) के अनुसार, **उत्तर प्रदेश अब भारत के शीर्ष 15 औद्योगिक राज्यों में चौथे स्थान** पर पहुँच गया है।

इन्वेस्ट यूपी (Invest UP)

- **परिचय: इन्वेस्ट यूपी**, जिसे पहले **उद्योग बंधु (Udyog Bandhu)** के नाम से जाना जाता था, **उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन और सुविधा एजेंसी** है।
  - इसका उद्देश्य राज्य में **नए निवेश आकर्षित करना** तथा **मौजूदा और आने वाले उद्योगों की समस्याओं का समाधान** करना है।
- **मिशन:** राज्य की **निवेश प्रोत्साहन और सुविधा एजेंसी** के रूप में इन्वेस्ट यूपी का लक्ष्य **राज्य में तीव्र औद्योगिक** तथा **अवसंरचनात्मक विकास** हेतु **नीति निर्माण में सक्रिय भागीदारी** के माध्यम से निवेश को आकर्षित करना है।
  - यह संगठन संभावित और मौजूदा उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिये सलाहकार सेवाएँ (advisory services) प्रदान करता है।

उत्तर प्रदेश में प्रमुख निवेश

- **इलेक्ट्रॉनिक्स:** ₹3,700 करोड़ का HCL-फॉक्सकॉन OSAT निवेश राज्य की सेमीकंडक्टर (semiconductor) क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **टेक्सटाइल्स (वस्त्र उद्योग):** उत्तर प्रदेश पीएम MITRA मेगा टेक्सटाइल पार्क और **सिंथेटिक, डिफेंस एवं मेडिकल टेक्सटाइल्स** पर केंद्रित मिनी पार्कों के माध्यम से अपनी **वस्त्र मूल्य श्रृंखला (Textile Value Chain)** को सुदृढ़ कर रहा है।
- **इलेक्ट्रिक वाहन (EV):** EV नीति 2023 के तहत उत्तर प्रदेश का लक्ष्य **वर्ष 2028 तक 36 GWh** बैटरी उत्पादन क्षमता प्राप्त करना है।
- **डिजिटल अवसंरचना: नोएडा-ग्रेटर नोएडा** भारत का प्रमुख **डेटा सेंटर हब** बनकर उभर रहा है, जहाँ एक **एकीकृत एआई सिटी (Integrated AI City)** विकसित करने की योजना है।

उत्तर प्रदेश बनाएगा डिजिटल कृषि नीति

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश कृषि वृद्धि एवं ग्रामीण उद्यम पारिस्थितिक तंत्र सुदृढ़ीकरण परियोजना (UP-Agrees) की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय तकनीकी मानकों के अनुरूप एक डिजिटल कृषि नीति तैयार करें, ताकि एक सुरक्षित और सुदृढ़ साइबर अवसंरचना सुनिश्चित की जा सके।

- "कृषि से उद्योग तक" (From Agriculture to Industry) के दृष्टिकोण पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने **मूल्य संवर्द्धन, प्रसंस्करण** तथा **स्‌थानीय रोज़गार सृजन** के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** प्रस्तावित **डिजिटल कृषि प्रणाली** के माध्यम से फसलों, मौसम, बीज, सिंचाई, उर्वरक, बीमा, बाज़ार, लॉजिस्टिक्स और संस्थागत सेवाओं से संबंधित आँकड़ों तक **रियल-टाइम एकीकृत पहुँच** उपलब्ध कराई जाएगी। यह प्रणाली कृषि क्षेत्र में **नवाचार-आधारित अनुसंधान** तथा **डेटा-आधारित निर्णय-निर्माण** को प्रोत्साहित करेगी।
  - मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि **उत्तर प्रदेश विविधीकृत कृषि सहयोग परियोजना (UP DASP)** के समन्वय में इस पहल को **कृषि विश्वविद्यालयों,** कृषि विज्ञान केंद्रों (KVK) तथा किसान उत्पादक संगठनों (FPO) के सहयोग से लागू किया जाए।
- **UP DASP:** यह **4,000 करोड़ रुपये (500 मिलियन अमेरिकी डॉलर)** की **विश्व बैंक समर्थित परियोजना** है, जिसे छह वर्षों की अवधि में **पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड के 28 ज़िलों** में लागू किया जा रहा है। परियोजना का मुख्य फोकस निम्नलिखित बिंदुओं पर है:
  - बदलती **जलवायु परिस्थितियों** के अनुरूप **संधारणीय कृषि वृद्धि** को प्रोत्साहित करना।
  - **बाज़ार संपर्कों को सुदृढ़** करना और **संसाधनों का अनुकूल उपयोग** सुनिश्चित करना।
  - **उत्पादकता बढ़ाना** तथा कृषि-आधारित उद्योगों **के विकास** को समर्थन देना।
- **उत्पादकता संवर्द्धन पहल:** उत्पादकता संवर्द्धन कार्यक्रम (Productivity Enhancement Programme) के तहत निम्नलिखित बिंदुओं पर ज़ोर दिया जा रहा है:
  - **भूमि विकास** और **जल संरक्षण**।
  - **मृदा स्वास्थ्य सुधार** और **आधुनिक प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि पद्धतियों** को अपनाना।
  - **लघु और सीमांत किसानों** को **तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण** तथा **विपणन सुविधाओं** से जोड़ना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **वस्तु क्लस्टर विकास:** निम्नलिखित क्षेत्रों में क्लस्टर विकसित किये जा रहे हैं–
  - **बुंदेलखंड** में **मूंगफली क्लस्टर।**
  - **वाराणसी में लाल मिर्च** और **सब्ज़ी क्लस्टर।**
  - **बाराबंकी** और **आज़मगढ़** के बीच **केले के क्लस्टर।**
- **मत्स्य पालन क्षेत्र विकास:** क्लस्टर दृष्टिकोण के तहत निम्नलिखित व्यापक उपाय किये जा रहे हैं:
  - **मछली उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाना।**
  - **गुणवत्तापूर्ण बीज की आपूर्ति सुनिश्चित करना** और **आधुनिक तकनीकों को अपनाना।**
  - **उत्पादन से लेकर विपणन तक प्रबंधन को सुदृढ़ करना।**
  - परियोजना का उद्देश्य **लगभग 90,000 हेक्टेयर क्षेत्र** को मत्स्य पालन हेतु विकसित करना है, जिससे **करीब एक लाख परिवारों** को लाभ पहुँचेगा।
- **कृषि वित्त:** मुख्यमंत्री ने कृषि वित्तीय प्रणाली को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जिसमें शामिल हैं:
  - **लघु और सीमांत किसानों** तथा **कृषि-आधारित सूक्ष्म** तथा **लघु उद्यमों** के लिये **क्रेडिट सुविधाओं** का विस्तार।
  - **सुदृढ़ जोखिम-प्रबंधन तंत्र** की स्थापना।
  - कृषि क्षेत्र में **निजी निवेश** को प्रोत्साहित करना।

उत्तर प्रदेश में पराली दहन पर अंकुश लगाने हेतु सब्सिडी योजना की शुरुआत

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने एक योजना शुरू की है, जिसके तहत पराली दहन (स्टबल बर्निंग) को रोकने में सहायता करने वाले कृषि उपकरणों पर **40-50% सब्सिडी** दी जाएगी। यह कदम उत्तर भारत में **सर्दियों के मौसम में** वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह सब्सिडी उन उपकरणों पर लागू होती है जैसे **मल्चर्स और ट्रेडर्स**, जो किसानों को **फसल अवशेष को मृदा में मिलाकर** इसे जैविक पदार्थ में परिवर्तित करने में सक्षम बनाते हैं, ताकि यह अपशिष्ट के बजाय उपयोगी बन सके।
- **उद्देश्य:** इस पहल का उद्देश्य **पर्यावरण-मैत्री अवशेष प्रबंधन प्रथाओं** को बढ़ावा देना और फसल दहन से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करना है।
- **कार्यान्वयन:** किसान लाभ के लिये **कृषि विभाग के ऑनलाइन पोर्टल** के माध्यम से या निकटतम विभागीय कार्यालय जाकर आवेदन कर सकते हैं।
- **टोकन भुगतान प्रणाली:** सरकार ने किसानों के लिये पारदर्शी और सुरक्षित आवेदन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिये टोकन भुगतान प्रणाली भी शुरू की है।
  - ₹10,000 तक के उपकरणों के लिये कोई भुगतान नहीं।
  - ₹10,000 से ₹50,000 लागत वाले उपकरणों के लिये ₹2,500।
  - लाखों रुपये लागत वाले उपकरणों के लिये ₹5,000।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पराली दहन (स्टबल बर्निंग)

- पराली दहन एक ऐसी विधि है, जिसमें खेत से धान की फसल अवशेषों को हटाकर गेहूँ बोने के लिये तैयार किया जाता है। यह प्रक्रिया **सितंबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर** तक होती है, जो दक्षिण-पश्चिम **मानसून** निर्वतन के समय घटित होती है।
- पराली दहन वह प्रक्रिया है जिसमें धान, गेहूँ जैसी फसलों की कटाई के बाद बचे हुए भूसे और अवशेषों को आग लगाकर नष्ट किया जाता है। यह आमतौर पर उन क्षेत्रों में आवश्यक होता है जहाँ **संयुक्त फसल कटाई (combined harvesting) विधि** अपनाई जाती है, जो फसल अवशेष पीछे छोड़ देती है।
- यह प्रथा उत्तर-पश्चिम भारत में अक्तूबर और नवंबर में सामान्य है, विशेषकर **पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश** में।

उत्तर प्रदेश में सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने पाँच मेट्रो शहरों में **सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस** खोलने की घोषणा की है, ताकि भारत के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से सीधे पूंजी निवेश आकर्षित किया जा सके और निवेशकों को राज्य के बढ़ते व्यापार अवसरों से जोड़ा जा सके।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह पहल '**इन्वेस्ट यू.पी.**' के तहत लागू की जाएगी, जो राज्य की निवेश संवर्द्धन और सुविधा एजेंसी है।
  - इसका उद्देश्य **घरेलू पूंजी निवेश को उत्तर प्रदेश में लाना** और राज्य के औद्योगिक तथा नीतिगत पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है।
- **सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस:** मुंबई, बंगलूरू, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली।
- **स्टाफ संरचना:** प्रत्येक ऑफिस/कार्यालय में एक **जनरल मैनेजर**, एक **असिस्टेंट जनरल मैनेजर**, दो **उद्यमी मित्र**, दो **एक्जीक्यूटिव** और दो **ऑफिस असिस्टेंट** होंगे।

महत्त्व:

- निवेशकों और राज्य सरकार के बीच की दूरी को समाप्त करने का लक्ष्य, **रियल-टाइम संलग्नता तथा परियोजना सुविधा** को आसान बनाना।
- उत्तर प्रदेश की छवि को **निवेश-मैत्रीपूर्ण गंतव्य** के रूप में प्रबल करना और ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस रैंकिंग में सुधार लाना।

- **शहर के अनुसार फोकस क्षेत्र:** प्रत्येक ऑफिस, संबंधित शहर की औद्योगिक क्षमता के अनुरूप विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करेगा:

शहर	फोकस सेक्टर्स
मुंबई	वित्तीय सेवाएँ, अवसंरचना, फिनटेक, ESG फंड्स
बंगलूरू	ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC), एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर्स, इलेक्ट्रिक वाहन, डीपटेक
चेन्नई	ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल, हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग
हैदराबाद	फार्मास्यूटिकल्स, बायोटेक्नोलॉजी, आईटी और उभरती तकनीकें
नई दिल्ली	इन्वेस्ट यू.पी. और एशिया-यूरोपीय संघ सुविधा कार्यालय

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गढ़मुक्तेश्वर मेले का आयोजन मिनी कुंभ के रूप में

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि **ऐतिहासिक** गढ़मुक्तेश्वर मेले का आयोजन इस वर्ष **'मिनी कुंभ'** के रूप में किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- राज्य की गहरी आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक यह मेला **30 अक्तूबर से 5 नवंबर, 2025 तक आयोजित** किया जाएगा तथा इसमें **लगभग 50 लाख श्रद्धालुओं** के आने की संभावना है।
- **कार्तिक पूर्णिमा** पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह मेला पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सबसे महत्त्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों में से एक है।
- गढ़मुक्तेश्वर का **धार्मिक और पौराणिक महत्त्व बहुत अधिक है**। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाभारत युद्ध **के बाद, युधिष्ठिर, अर्जुन तथा भगवान कृष्ण ने** अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिये यहाँ गंगा में स्नान किया था।
- यह भी माना जाता है कि **भगवान परशुराम ने** इस स्थल पर पवित्र **मुक्तेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की थी।**
- स्कंद **पुराण** और **महाभारत में** गढ़मुक्तेश्वर को एक पूजनीय तीर्थस्थल बताया गया है, जहाँ गंगा में स्नान करने तथा अपने पूर्वजों के लिये प्रार्थना करने से **मोक्ष की प्राप्ति होती है**।
- वार्षिक **कार्तिक पूर्णिमा मेला** न केवल राज्य की **धार्मिक आस्था को दर्शाता है**, बल्कि इसकी जीवंत **सांस्कृतिक एवं** लोक परंपराओं को भी प्रतिबिंबित करता है, जो प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालुओं को **बृजघाट** और **मुक्तेश्वर घाट** पर आकर्षित करता है।

12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SIR 2.0 प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

भारत के चुनाव आयोग (ECI) ने **12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** में मतदाता सूचियों **के राष्ट्रव्यापी गहन पुनरीक्षण की** घोषणा की है, जिसमें **51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे, जो 4 नवंबर, 2025** से शुरू होगा, अंतिम सूची **7 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी एवं 1 जनवरी, 2026 को अर्हक तिथि** निर्धारित की गई है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** भारत निर्वाचन आयोग का लक्ष्य **त्रुटिरहित मतदाता सूची** तैयार करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी **पात्र मतदाता छूटे नहीं** तथा कोई भी **अपात्र मतदाता शामिल न हो।**
- विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का क्रियान्वयन: SIR में **उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** तथा **लक्षद्वीप शामिल होंगे।**
  - इन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों का चयन उनके **उच्च प्रतिशत वाले मतदाता सर्वेक्षण** और **पर्याप्त प्रशासनिक तैयारियों** के कारण किया गया है, जिनमें प्रशिक्षित **बी.एल.ओ., ज़िला मजिस्ट्रेट** तथा **ई.आर.ओ.** शामिल हैं।
- **महाराष्ट्र** को इससे बाहर रखा गया है, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार **31 जनवरी, 2026** तक **स्थानीय चुनाव कराना अनिवार्य** है।
- **केरल को** भी इससे बाहर रखा गया है, क्योंकि **स्थानीय चुनावों पर चर्चा** अभी भी चल रही है और अभी तक इसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रक्रिया और सत्यापन मानक:** देशव्यापी SIR के दौरान निवासियों को गणना के समय कोई **दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं** होगी।
- **नामांकन प्रपत्र में** अब अंतिम SIR (2002-2004) से **अभिभावक** या **परिजनों** का विवरण दर्ज करने के लिये एक नया **कॉलम** शामिल किया गया है।
- जो मतदाता **पहचान लिंक से वंचित** रह जाएंगे, उन्हें **पात्रता सिद्ध करने के लिये नोटिस जारी किये जाएंगे** और इस प्रक्रिया में **आधार केवल पहचान के प्रमाण के रूप में** स्वीकार्य होगा।
- **लगभग 70-80% मतदाताओं** के पूर्ववर्ती मतदाता सूची से **डिजिटली जोड़ाव** होने की संभावना है तथा प्रत्येक मतदाता को केवल **एक हस्ताक्षरित प्रपत्र** ही प्रस्तुत करना होगा।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)

- **परिचय:** यह एक केंद्रित, समयबद्ध घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन प्रक्रिया है, जिसे **मतदान केंद्र स्तर के अधिकारी (BLOs)** द्वारा प्रमुख चुनावों से पूर्व मतदाता सूचियों **को अद्यतन और सही करने** हेतु संचालित किया जाता है।
  - यह प्रक्रिया **नई प्रविष्टियों, विलोपन और संशोधन** की अनुमति देकर **मतदाता सूची को सटीक, समावेशी** तथा **त्रुटिरहित** बनाती है।
  - जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 **की धारा 21** भारत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने का अधिकार देती है, जिसमें किसी भी समय **विशेष पुनरीक्षण** कराए जाने का प्रावधान है।
- **SIR का संवैधानिक आधार: अनुच्छेद 324** भारत के निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने का पर्यवेक्षण तथा नियंत्रण करने की शक्ति प्रदान करता है।
  - **अनुच्छेद 326** सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की गारंटी देता है, जिसके तहत 18 **वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिकों को मतदान का अधिकार है,** जब तक कि उन्हें आपराधिक दोषसिद्धि, विकृत मस्तिष्क या भ्रष्टाचार के कारण कानून द्वारा अयोग्य घोषित न कर दिया जाए।
- **पूर्व मतदाता सूची संशोधन प्रक्रियाएँ:** देश के विभिन्न भागों में 1952-56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983-84, 1987-89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003 और 2004 में मतदाता सूची संशोधन प्रक्रियाएँ आयोजित की गई थीं। बिहार में, पिछली मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया वर्ष 2003 में आयोजित की गई थी।

उत्तर प्रदेश में 'लर्निंग बाय डूइंग' मॉडल

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के 3,288 **सरकारी स्कूलों** तथा **ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (DIET)** में 'लर्निंग बाय डूइंग (LBD)' मॉडल के माध्यम से अनुभवात्मक एवं कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये एक व्यापक कार्य योजना विकसित की है।

मुख्य बिंदु

- **मॉडल के बारे में:**
  - इसका उद्देश्य शिक्षा को अधिक **अनुभवात्मक, कौशल-संचालित और भविष्योन्मुखी** बनाना है तथा रटने की पद्धति के स्थान पर "**करके सीखने**" की पद्धति अपनाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो महत्त्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और नवाचार-संचालित शिक्षा पर ज़ोर देता है।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम विवरण:**
  - **बेसिक शिक्षा विभाग** शिक्षण क्षमता निर्माण के लिये **प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित करेगा।
    - यह प्रशिक्षण **66 आवासीय बैचों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें कक्षा शिक्षण को प्रयोगों, परियोजनाओं, मॉडलों और वास्तविक जीवन अनुप्रयोगों** के साथ एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- उद्देश्य:
  - कक्षाओं को ऐसे स्थानों में परिवर्तित करना जो याद करने के बजाए **समझ, अन्वेषण और खोज** को प्रोत्साहित करें।
  - **शिक्षकों को व्यावहारिक शिक्षण विधियों से सुसज्जित करना** जो छात्रों में रचनात्मकता, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दें।
  - शिक्षार्थियों को **कौशल-आधारित, नवाचार-संचालित और एआई-संचालित अर्थव्यवस्था के लिये तैयार करना**।
- महत्त्व:
  - लर्निंग बाय डूइंग' मॉडल बच्चों को स्वयं प्रयोग करने, प्रश्न पूछने और समाधान खोजने के अवसर देकर **सक्रिय अधिगम (Active Learning)** को प्रोत्साहित करता है।
  - यह बच्चों में **जिज्ञासा, विश्लेषणात्मक क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अभिव्यक्ति कौशल** और **समस्या-समाधान की क्षमता** विकसित करता है, जिससे विद्यार्थी **निष्क्रिय श्रोता से सक्रिय शिक्षार्थी** बन जाते हैं।
  - इस पहल से उत्तर प्रदेश में **मूलभूत शिक्षा की पहचान पुनः परिभाषित** होने तथा **अन्य राज्यों के लिये एक मानक** स्थापित होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में लॉजिस्टिक्स हब

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रेटर नोएडा स्थित **बोड़ाकी** में **एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप तथा** लॉजिस्टिक्स हब के विकास को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जो उत्तर भारत के सबसे उन्नत मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स **केंद्रों** में से होगा।

मुख्य बिंदु

- **लॉजिस्टिक्स हब के बारे में:**
  - 8,000 करोड़ रुपए के निवेश वाली **यह परियोजना 800 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी** तथा इसमें **कंटेनर टर्मिनल, वेयरहाउसिंग कॉम्प्लेक्स और मल्टीमॉडल परिवहन अवसंरचना** शामिल होगी।
  - इन सभी का सीधा संबंध डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) से होगा। इसे दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (DMIC) तथा **एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप (IIT)** अवसंरचना के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - दिल्ली-NCR, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में **लॉजिस्टिक्स क्षमता में सुधार** तथा **पारगमन समय में कमी** लाना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- भारत की राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (NLP) का समर्थन करना, जिसका उद्देश्य **लॉजिस्टिक्स लागत को घटाना** और **माल प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना** है।
- यह पहल विकसित भारत 2047 के विज़न के अनुरूप है और वर्ष 2035 तक **सात ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था** बनने के भारत के लक्ष्य को समर्थन करती है।

अतिरिक्त अवसंरचना:
- बोड़ाकी हब के अतिरिक्त, दादरी में **1,200 करोड़ रुपए की लागत** से एक लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जा रहा है, जिससे ग्रेटर नोएडा **भारत का प्रमुख लॉजिस्टिक एवं औद्योगिक केंद्र** बन सकेगा।

प्रभाव:
- **रोज़गार सृजन:** यह लॉजिस्टिक्स हब हज़ारों प्रत्यक्ष एवं **अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर उत्पन्न करेगा** तथा लॉजिस्टिक्स प्रौद्योगिकी एवं गोदाम क्षेत्र में वैश्विक निवेश को आकर्षित करेगा।
- **औद्योगिक विकास:** यह हब **शीघ्र माल परिवहन को बढ़ावा देगा,** जिससे **औद्योगिक विकास** को बल मिलेगा तथा **मुख्य बंदरगाहों एवं औद्योगिक केंद्रों से संपर्क** और अधिक सुदृढ़ होगा।

उत्तर प्रदेश में व्यावसायिक सुधार लागू

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **व्यावसायिक परिवेश** में सुधार के लिये महत्त्वपूर्ण निर्णयों को स्वीकृति प्रदान की है, जिनमें **सामान्य व्यावसायिक अपराधों को अपराध मुक्त करने के लिये अध्यादेश** तथा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशालय **की स्थापना** शामिल है।

मुख्य बिंदु

व्यापार अपराधों का गैर-अपराधीकरण:
- उत्तर प्रदेश सरकार ने **उत्तर प्रदेश सुगम्य व्यापार (व्यापार करने में सरलता) संशोधन अध्यादेश, 2025** पारित किया है, जो **सामान्य व्यावसायिक अपराधों को अपराध मुक्त** करने का प्रावधान करता है।
- अब अवैध तालाबंदी, छँटनी और अपंजीकृत व्यवसाय चलाने जैसे उल्लंघनों के लिये **कारावास के प्रावधानों** को **मौद्रिक जुर्माना तथा प्रशासनिक दंड** से परिवर्तित दिया गया है।
- अध्यादेश में कारखाना अधिनियम, **दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम,** मोटर परिवहन श्रमिक अधिनियम और **ठेका श्रम अधिनियम** सहित **13 औद्योगिक एवं व्यावसायिक कानूनों में संशोधन** किया गया है।
- **प्रशासनिक न्याय निर्णयन** प्रक्रिया अब **आपराधिक अदालती कार्यवाही का** स्थान लेगी, जैसा कि गन्ना अधिनियम, 1953 **में** विवाद समाधान को सुव्यवस्थित करने के लिये देखा गया है।
  - ऐसे मामलों में **गिरफ्तारी की अनुमति देने वाले प्रावधान**, जिनमें अब कारावास की सज़ा नहीं होती, जैसे कि **अग्नि निवारण और आपातकालीन सेवा अधिनियम, 2022** के तहत, को **प्रशासनिक दंड** से परिवर्तित किया गया है।
- इस कदम से **विनियामक भार में कमी, व्यापार में सुगमता** तथा **राज्य में निवेशकों का विश्वास** बढ़ने की संभावना है।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशालय का गठन:
- उत्तर प्रदेश ने **पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशालय** की स्थापना की है, जो भारत में **राज्य स्तर पर इस तरह का पहला निदेशालय** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह निदेशालय **पर्यावरण संरक्षण,** सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा और राज्य को पेरिस समझौते **तथा COP28 परिणामों** के तहत भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप बनाने में मदद करेगा।
- इस पहल से उत्तर प्रदेश **जलवायु प्रशासन में सबसे सक्रिय राज्यों में से एक** बन गया है और यह वर्ष 2070 तक भारत के नेट-ज़ीरो उत्सर्जन लक्ष्य में योगदान देने का लक्ष्य रखता है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गन्ना SAP में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

गन्ना किसानों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से, **उत्तर प्रदेश सरकार** ने **पेराई सत्र 2025-26** के लिये **गन्ने के** राज्य परामर्शित मूल्य (SAP) में **प्रति क्विंटल 30 रुपए की वृद्धि** की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- सामान्य गन्ने के लिये **SAP** को **360 रुपए से बढ़ाकर 390 रुपए प्रति क्विंटल** कर दिया गया है, जबकि **जल्दी पकने वाली किस्मों** के लिये SAP अब **400 रुपए प्रति क्विंटल** है, जो वर्ष **2017 के बाद से 30 रुपए की उच्चतम वृद्धि** है।
- **प्रभाव:** गन्ने की कीमतों में वृद्धि से उत्तर प्रदेश के लगभग **46 लाख किसानों को 3,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की संभवना है।**
- इससे राज्य के **गन्ना कृषक समुदाय** को सहायता मिलेगी, जहाँ **गन्ने की खेती का क्षेत्रफल 20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर** हो गया है।
- **अन्य उपाय:** राज्य सरकार ने **बंद मिलों को पुनर्जीवित किया है, नई मिलें स्थापित की हैं तथा मौजूदा मिलों की पेराई क्षमता का विस्तार किया है, जिससे चीनी उत्पादन और** इथेनॉल उत्पादन में वृद्धि हुई है।
- **दो चीनी मिलों में** संपीड़ित बायोगैस (CBG) संयंत्र भी स्थापित किये गए हैं, जिससे इस क्षेत्र में वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।
- **स्मार्ट गन्ना किसान प्रणाली** के तहत **रकबा पंजीकरण, कैलेंडरिंग** और **पर्ची जारी करने** जैसी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे **बिचौलियों को हटाकर किसानों को सीधे लाभ** मिल रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

गन्ना (Sugarcane):

- **भौगोलिक स्थितियाँ:**
  - **तापमान:** 21-27°C के बीच, उष्ण और आर्द्र जलवायु।
  - **वर्षा:** लगभग 75-100 सेमी.
  - **मृदा का प्रकार:** गहरी, समृद्ध दोमट मृदा।
- **शीर्ष उत्पादक राज्य:**
  - उत्तर प्रदेश गन्ने का शीर्ष उत्पादक राज्य है लेकिन **122 सक्रिय चीनी मिलों** के साथ यह **भारत में महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान** पर है।
- **उचित एवं लाभकारी मूल्य (FRP):**
  - यह चीनी मिलों द्वारा किसानों को दिया जाने वाले **न्यूनतम मूल्य** है।
  - इसका निर्धारण केंद्र सरकार द्वारा, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के परामर्श से, कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है।
- **राज्य परामर्शित मूल्य (SAP):**
  - जबकि SAP केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है, **राज्य सरकारें अपना स्वयं का SAP निर्धारित कर सकती हैं**, जिसे चीनी मिलों द्वारा किसानों को भुगतान करना होगा यदि यह FRP से अधिक है।

लखनऊ में नौसेना शौर्य संग्रहालय

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने **लखनऊ** में प्रस्तावित '**नौसेना शौर्य संग्रहालय**' की तैयारियों की समीक्षा की। यह एक **महत्त्वाकांक्षी परियोजना** है, जो हिंद महासागर क्षेत्र **में** भारतीय नौसेना **की वीरता, विरासत और तकनीकी कौशल** का स्मरण कराएगी।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - CG सिटी में **एकाना स्टेडियम** के पास विकसित किया जा रहा यह संग्रहालय **उत्तर भारत का पहला समुद्री विरासत केंद्र** होगा।
  - इसका उद्देश्य शिक्षा, अनुभव और प्रौद्योगिकी को जोड़ते हुए **उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता** देना है।
  - यह संग्रहालय **भारत की समुद्री शक्ति का उत्सव** मनाने, राज्य की प्राचीन समुद्री विरासत को पुनर्जीवित करने और **राष्ट्रीय गर्व** को प्रेरित करने के लिये स्थापित किया जा रहा है।
- **प्रारंभ और प्रगति:**
  - **दिसंबर 2024 तक पूरा होने के प्रारंभिक लक्ष्य के साथ 2022 में शुरू की गई इस परियोजना में लॉजिस्टिक चुनौतियों** के कारण केवल 30% प्रगति हुई है और अब इसके वर्ष 2025 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **परियोजना संरचना:**
  - नौसेना **शौर्य संग्रहालय को दो प्रमुख खंडों** में विकसित किया जा रहा है:
    - **INS गोमती शौर्य स्मारक (पवित्र स्मारक):** इसमें **INS गोमती (F-21)**, गोदावरी-क्लास की स्वदेशी मिसाइल फ्रिगेट शामिल है, जिसने भारतीय नौसेना में 34 वर्षों तक सेवा दी और **ऑपरेशन कैक्टस** तथा **ऑपरेशन पराक्रम** जैसी प्रमुख अभियानों में भाग लिया।
  - **नौसेना शौर्य वाटिका:** इसमें **TU-142 समुद्री निगरानी विमान** (29 वर्षों की सेवा) और **सी किंग SK-42B हेलीकॉप्टर** शामिल होंगे, जो नौसैनिक अभियानों में उपयोग किये गए।
- **संरचना:**
  - संग्रहालय को **नौसैनिक रेलिंग, पोर्टहोल शैली की खिड़कियाँ और समुद्री प्रतीकों** के साथ एक **जहाज़ के अमूर्त रूप** में तैयार किया गया है, जिसमें दो मुख्य क्षेत्र होंगे: **व्याख्या केंद्र** तथा **ओपन-एयर संग्रहालय**।
- **प्रौद्योगिकी का विरासत से मिलन:** संग्रहालय में **आधुनिक प्रौद्योगिकी को ऐतिहासिक कहानियों के साथ एकीकृत किया जाएगा**, जिसमें शामिल हैं:
  - इसमें इमर्सिव कहानी सुनाने के लिये **7D थिएटर होंगे।**
  - **विमान वाहक लैंडिंग और युद्धपोत सिमुलेटर** यथार्थवादी नौसैनिक अनुभव प्रदान करेंगे।
  - **डिजिटल वाटर स्क्रीन शो** और **समुद्री जीवन एक्वेरियम** भी होंगे।
  - भारत के प्राचीन समुद्री इतिहास को प्रदर्शित करने के लिये **जलमग्न द्वारका मॉडल** बनाया गया है।
  - आगंतुक **'अपने नायकों की तरह पोशाक पहन सकते हैं'** और **आभासी नौसैनिक मिशन** जैसी इंटरैक्टिव गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

प्रशासनकि नगिरानी:

- परियोजना की निगरानी के लिये **पर्यटन महानिदेशक की अध्यक्षता** में एक समिति बनाई गई है, जिसमें **मैरीटाइम हेरिटेज सोसायटी, यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन और नौसैनिक विशेषज्ञों** के प्रतिनिधि शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत में **2 अक्तूबर** को महात्मा गांधी के जन्म दिवस के सम्मान में **गांधी जयंती** के रूप में मनाया जाता है।

- इस दिन को **संपूर्ण विश्व** में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकि **वर्ष** 2007 में **संयुक्त राष्ट्र** के एक प्रस्ताव को 140 से अधिक देशों ने समर्थन दिया था, जिससे इसे **सार्वभौमिक महत्त्व** प्राप्त हुआ।

मुख्य बिंदु

महात्मा गांधी के बारे में:

- **जन्म:** महात्मा गांधी का जन्म **2 अक्तूबर, 1869** को **पोरबंदर (गुजरात)** में हुआ था।
- **संक्षिप्त परिचय:** वे एक प्रसिद्ध **वकील, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्त्ता और लेखक** थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत के राष्ट्रवादी आंदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **पुस्तकें:** हिंद स्वराज, सत्य के साथ मेरे प्रयोग (आत्मकथा)
- **मृत्यु:** 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।
  - 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

- **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का नेतृत्व:** महात्मा गांधी 20वीं सदी के प्रारंभ में भारतीय **राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बन गए और इन्होंने** ब्रिटिश शासन को चुनौती देने के लिये **अहिंसक प्रतिरोध तथा जन-आंदोलन की वकालत की।**
  - **वर्ष 1924 का** बेलगाम अधिवेशन कांग्रेस का एकमात्र ऐसा अधिवेशन था, जिसकी अध्यक्षता गांधी जी ने की थी।
- **असहयोग आंदोलन (NCM) (1920-22):** गांधीजी ने **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** और दमनकारी **रॉलेट एक्ट की प्रतिक्रिया में NCM की शुरुआत की।**
  - उन्होंने **भारतीयों से ब्रिटिश संस्थाओं, वस्तुओं और सम्मानों का बहिष्कार करने का आग्रह किया।**
  - गांधीजी को **बोअर युद्ध** में उनकी भूमिका के लिये **वर्ष 1915 में कैसर-ए-हिंद उपाधि से सम्मानित किया गया था** लेकिन उन्होंने जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में **वर्ष 1920 में इसे वापस कर दिया था।**
- **दांडी मार्च (1930):** गांधीजी ने ब्रिटिश नमक कर के विरोध में गुजरात के तटीय **शहर दांडी तक नमक मार्च का नेतृत्व किया। इस क्रम में** सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत हुई।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (QIM), 1942:** गांधीजी ने भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करने की मांग करते हुए QIM का आह्वान किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- उनके नारे **"करो या मरो" ने लाखों लोगों को विरोध प्रदर्शनों, हड़तालों और सविनय अवज्ञा के कार्यों में भाग लेने के लिये प्रेरित किया,** जिससे स्वतंत्रता संग्राम में लोगों की भागीदारी में तथा अधिक वृद्धि हुई।
- **अहिंसा का दर्शन: अपने पूरे सक्रियता अभियान के दौरान गांधीजी ने सत्याग्रह और अहिंसा** के सिद्धांतों पर बल दिया तथा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की वकालत की।
  - **उनके दृष्टिकोण ने न केवल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रभावित किया बल्कि नेल्सन मंडेला** और **मार्टिन लूथर किंग जूनियर** के नेतृत्व वाले विश्वव्यापी नागरिक अधिकार आंदोलनों को भी प्रेरित किया।

राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

आयुष मंत्रालय ने **प्रो. बनवारी लाल** गौर, **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.** और **वैद्य भावना प्रशर** को **आयुर्वेद** के क्षेत्र में उनके **उत्कृष्ट योगदान** के लिये राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
- यह पुरस्कार **आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित** किया गया है और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा में **सर्वोच्च सम्मानों में से एक** माना जाता है।
- यह आयुर्वेद के **प्रचार, संरक्षण और नवाचार** में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
- वर्ष 2025 के पुरस्कार विजेता आयुर्वेद के **तीन महत्त्वपूर्ण आयामों** का प्रतिनिधित्व करते हैं- **विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और वैज्ञानिक नवाचार।**
- **विजेता:**
  - **प्रो. बनवारी लाल गौर** आयुर्वेदिक शिक्षा और संस्कृत साहित्य में छह दशकों का योगदान देने वाले विद्वान तथा शिक्षाविद् हैं, जिन्हें राष्ट्रपति सम्मान सहित कई अन्य राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।
  - **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.** केरल स्थित वैद्यरत्नम समूह के प्रमुख हैं और 200-वर्षीय आयुर्वेदिक परंपरा की आठवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - उन्हें आयुर्वेद को जीवंत और समुदाय-उन्मुख अभ्यास के रूप में संरक्षित तथा आधुनिक बनाने के लिये जाना जाता है।
- **वैद्य भावना प्रशर आयुर्जिनोमिक्स (Ayurgenomics)** में अग्रणी हैं, जिन्होंने आयुर्वेदिक प्रकृति अवधारणाओं को आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान से जोड़ा और उनके **योगदान को राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण कार्यक्रम** में एकीकृत किया गया।
- **महत्त्व:**
  - यह पुरस्कार **पारंपरिक विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और आधुनिक विज्ञान** के माध्यम से आयुर्वेद की **निरंतरता** तथा **विकास** को मान्यता देता है।
  - **एकीकृत एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा** में आयुर्वेद की भूमिका को सुदृढ़ करता है।
  - **पारंपरिक चिकित्सा और नवाचार** में भारत के **वैश्विक नेतृत्व** को मज़बूत करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु**- चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि** - शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

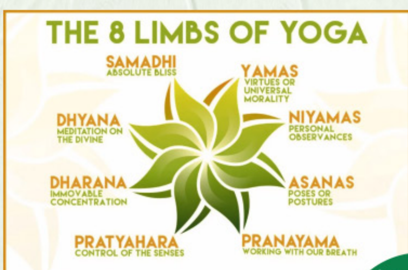

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्यूमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्दर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्यूमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन **लॉन्च किया,** जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से **युवाओं के नेतृत्व** और **नागरिक सहभागिता** को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- उन्होंने कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) को **माई भारत पोर्टल** से एकीकृत करने की भी घोषणा की, जिससे देश भर में युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की व्यापक पहुँच और गहन प्रसार सुनिश्चित हो सकेगा।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह एक ऑनलाइन *युवा नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता मंच* है, जिसे युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के ***युवा कार्य विभाग (DoYA)*** के अंतर्गत, ***डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (DIC),*** *इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)* द्वारा विकसित किया गया है।
  - इसका उद्देश्य युवाओं को निर्बाध मोबाइल इंटरफेस के माध्यम से **स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मार्गदर्शन और सीखने के अवसर प्रदान करना है।**
  - यह वर्तमान में **हिंदी और अंग्रेज़ी में उपलब्ध है** तथा धीरे-धीरे इसमें अन्य भारतीय भाषाओं को भी जोड़ा जाएगा।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **सत्यापित अवसर:** स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मेंटरशिप और अनुभवात्मक शिक्षा।
  - **डिजिटल मान्यता:** बैज, प्रमाण-पत्र और व्यक्तिगत **युवा प्रोफाइल**।
  - **कॅरियर सशक्तीकरण:** कौशल निर्माण संसाधन और **एआई-सक्षम रिज्यूमे निर्माण**।
  - **युवा अभियान:** प्रमुख कार्यक्रमों और **नागरिक पहलों** में सक्रिय भागीदारी।
  - **इंटरैक्टिव लर्निंग:** विकसित भारत युवा नेता संवाद (VBYLD) 2026 क्विज़ में भागीदारी।
  - **CSC के साथ एकीकरण:** 5 लाख से अधिक *ग्राम स्तरीय उद्यमियों (VLEs)* के विशाल नेटवर्क का लाभ लेते हुए अब **माई भारत** पोर्टल दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तारित होगा, जिससे युवाओं का निर्बाध पंजीकरण संभव होगा और VBYLD क्विज़ जैसी पहलों में उनकी भागीदारी संभव होगी।
- प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** द्वारा **31 अक्तूबर, 2023** को लॉन्च किया गया **माई भारत प्लेटफॉर्म** 1.81 करोड़ से अधिक युवाओं और 1.20 लाख संगठनों के साथ भारत के सबसे बड़े **युवा-केंद्रित पारिस्थितिक तंत्रों** में से एक बन गया है, जो **अमृत काल** के दौरान युवाओं की सहभागिता, **नेतृत्व** तथा **राष्ट्र निर्माण** के लिये एक **डिजिटल आधार** के रूप में कार्य कर रहा है।

श्यामजी कृष्ण वर्मा की जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी **जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित** की तथा **भारत के** स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करते हुए युवाओं से उनकी **निडर साहस** और **न्याय के प्रति प्रतिबद्धता** का अनुकरण करने का आग्रह किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

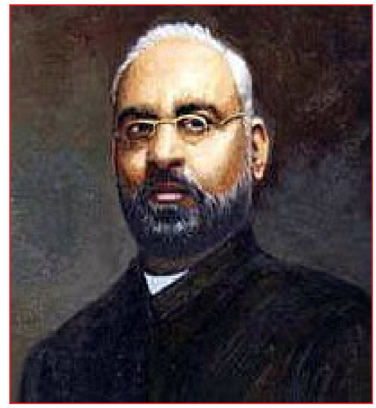

मुख्य बिंदु

- वे एक भारतीय क्रांतिकारी, देशभक्त, वकील और पत्रकार थे, जिनका जन्म **4 अक्तूबर, 1857 को** मांडवी, गुजरात में हुआ था।
- लंदन में उन्होंने वर्ष **1905 में** इंडियन होम रूल सोसाइटी की स्थापना की, जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने के लिये प्रेरित करना था।
- उन्होंने लंदन में **भारतीय छात्रों** के लिये **छात्रावास** और **बैठक-स्थल** के रूप में **'इंडिया हाउस'** की स्थापना की।
- उन्होंने 'द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट' नामक **पत्रिका** भी शुरू की, जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को **ब्रिटिश शासन** के विरुद्ध **क्रांतिकारी गतिविधियों** में शामिल होने के लिये प्रेरित करना था।
- वे बॉम्बे आर्य समाज के पहले **अध्यक्ष** थे और वीर सावरकर से प्रभावित थे।
- **ब्रिटिश आलोचना** के प्रत्युत्तर में वे इंग्लैंड से पेरिस चले गए और तत्पश्चात् प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान **जिनेवा** में स्थायी रूप से बस गए, जहाँ **30 मार्च, 1930 को** उनका निधन को गया।
- उन्होंने इच्छा व्यक्त की थी कि उनकी **अस्थियाँ स्वतंत्र भारत** में लाई जाएँ, यह इच्छा **अगस्त** 2003 में **गुजरात के** तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरी की गई।
- उनकी स्मृति में **'क्रांति तीर्थ'** नामक **स्मारक** का निर्माण मांडवी के निकट किया गया, जिसका **उद्‌घाटन वर्ष** 2010 में किया गया।

विश्व कपास दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और पबित्रा मार्गेरिटा ने **7 अक्तूबर** को नई दिल्ली में विश्व कपास दिवस **2025 समारोह में भाग लिया।**

- यह कार्यक्रम **वस्त्र मंत्रालय** तथा **भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ** (CITI) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसका विषय था– **'कपास 2040: प्रौद्योगिकी, जलवायु और प्रतिस्पर्द्धात्मकता'।**

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - विश्व कपास दिवस की **स्थापना वर्ष** 2019 में की गई थी, जब **उप-सहारा अफ्रीका** के चार कपास उत्पादक देशों (**बेनीन, बुर्किना फासो, चाड** और **माली**), जिन्हें सामूहिक रूप से **"कॉटन फोर"** (Cotton Four) कहा जाता है, ने **7 अक्तूबर** को विश्व व्यापार संगठन (WTO) को यह दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया था।
- **उद्देश्य:**
  - इस दिवस का उद्देश्य अल्प विकसित देशों के कपास और कपास से संबंधित उत्पादों के लिये **वैश्विक बाज़ार तक पहुँच** प्रदान करने की आवश्यकता के प्रति **जागरूकता उत्पन्न करना** है।
  - साथ ही यह **सतत् व्यापार नीतियों** को बढ़ावा देने और विकासशील देशों को **कपास मूल्य श्रृंखला** के प्रत्येक चरण से **अधिक लाभ प्राप्त करने** में सक्षम बनाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **कपास से संबंधित तथ्य:**
  - शीर्ष पाँच कपास उत्पादक देश **चीन, भारत, ब्राज़ील, संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान हैं,** जिनकी कुल मिलाकर वैश्विक उत्पादन में **तीन-चौथाई** से अधिक हिस्सेदारी है।
    - **भारत विश्व में कपास का सबसे बड़ा उत्पादक है,** जो कुल वैश्विक कपास उत्पादन **का 23% है।**
  - कपास से विश्व में लगभग **2.4 करोड़ उत्पादकों को आजीविका मिलती है तथा** 10 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ मिलता है।
  - **कपास** विश्व में **पॉलिएस्टर के बाद दूसरा सबसे अधिक प्रयोग किया जाने वाला रेशा** है, जो **कुल रेशा मांग का लगभग 20%** है।
  - लगभग **80% कपास का उपयोग परिधानों में किया जाता है,** शेष कपास का उपयोग घरेलू वस्त्रों और औद्योगिक उत्पादों में किया जाता है।
- **भारत में नियंत्रण प्रणाली:**
  - **भारतीय कपास निगम** की स्थापना **जुलाई** 1970 में **वस्त्र मंत्रालय** के अधीन की गई थी।
  - इसका उद्देश्य **मूल्य समर्थन उपायों के माध्यम से कपास के मूल्य स्थिरीकरण** को सुनिश्चित करना है।
  - इसके अतिरिक्त, यह निगम **घरेलू वस्त्र उद्योग** का **व्यावसायिक खरीद परिचालन के माध्यम से समर्थन** करता है, विशेष रूप से कम उत्पादन वाले मौसम के दौरान।

विश्व पर्यावास दिवस

चर्चा में क्यों?

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने **विज्ञान भवन, नई दिल्ली** में **"संकट के लिये शहरी समाधान"** विषय के साथ विश्व पर्यावास दिवस 2025 मनाया।

- इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और **तीव्र** शहरीकरण जैसी चुनौतियों से निपटने हेतु **शहरों को अधिक लचीला, समावेशी** तथा **सतत् बनाने** के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - वर्ष 1985 में संयुक्त राष्ट्र ने अक्तूबर के पहले सोमवार को **विश्व पर्यावास दिवस** के रूप में घोषित किया।
  - यह दिवस पहली बार वर्ष 1986 **में** ***"आश्रय मेरा अधिकार है"*** थीम के साथ मनाया गया था और **नैरोबी** इसका मेज़बान शहर था।
- **उद्देश्य:**
  - यह दिवस **आवास की स्थिति** पर विचार करने तथा सभी व्यक्तियों के लिये **पर्याप्त आश्रय** तक पहुँच के **मौलिक अधिकार** पर ज़ोर देने के लिये मनाया जाता है।
- **विषय 2025:**
  - 6 अक्तूबर को मनाए गए **विश्व पर्यावास दिवस** 2025 का विषय **"शहरी संकट प्रतिक्रिया"** था।
  - यह **जलवायु परिवर्तन और संघर्षों** जैसी चुनौतियों से उत्पन्न **शहरी असमानता** को संबोधित करने तथा **प्रभावी संकट प्रतिक्रिया उपकरणों और दृष्टिकोणों** को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

स्क्रॉल ऑफ ऑनर पुरस्कार

- संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावास कार्यक्रम (UN-Habitat) द्वारा वर्ष 1989 में शुरू किया गया **स्क्रॉल ऑफ ऑनर अवार्ड** मानव बस्तियों के क्षेत्र में **विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार** है।
- यह पुरस्कार निम्नलिखित क्षेत्रों में **असाधारण योगदान** को मान्यता देता है:
  - **आश्रय प्रावधान:** पर्याप्त और सुलभ आवास।
  - **निराश्रित लोगों की दुर्दशा** पर प्रकाश डालना।
  - **संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण** में नेतृत्व।
  - **शहरी जीवन की गुणवत्ता** और मानव बस्तियों में सुधार करना।

93वाँ वायुसेना दिवस

चर्चा में क्यों?

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 93वें वायुसेना दिवस पर राष्ट्र को शुभकामनाएँ दीं और उन **साहसी वायु सैनिकों** को सम्मानित किया, जिन्होंने **त्याग, समर्पण और कौशल** के साथ देश **की रक्ष्ा** की।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह दिवस 8 **अक्तूबर, 1932** को **भारतीय वायुसेना (IAF) की स्थापना** के सम्मान में प्रतिवर्ष 8 अक्तूबर को मनाया **जाता है।**
  - भारतीय वायुसेना की पहली परिचालन उड़ान **1 अप्रैल, 1933** को हुई, जिसने दशकों से भारत की रक्षा को आकार देने वाली वायु शक्ति की नींव रखी।
  - सीमित कार्मिक और विमानों वाली छोटी सेना से भारतीय वायुसेना अब **विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना** बन गई है, जो विभिन्न **सैन्य और मानवीय मिशनों** में सक्रिय है।
- **आदर्श वाक्य:**
  - भारतीय वायुसेना का आदर्श वाक्य '**नभः *स्पर्शं दीप्तम्*'** है, ***जो* भगवद्गीता** के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है।
- **विषय:**
  - इस वर्ष का विषय "**ऑपरेशन सिंदूर में बल का योगदान**" है।
- **समारोह:**
  - इस वर्ष के समारोह में राफेल, Su-30MKI, C-17 ग्लोबमास्टर, अपाचे गार्जियन और अन्य विमानों के साथ भव्य फ्लाईपास्ट, साथ ही परेड, एयर शो तथा भारतीय वायुसेना की तकनीकी प्रगति एवं परिचालन तत्परता को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियाँ शामिल थीं, साथ ही प्रतिष्ठित **मिग-21** को विदाई दी गई।
  - यह परेड उत्तर प्रदेश के हिंडन एयर बेस पर आयोजित की गई।
  - **हेरिटेज फ्लाइट के भाग के रूप में** पुनर्स्थापित **हिंदुस्तान ट्रेनर-2 (HT-2) विमान,** जो कि पहला स्वदेशी निर्मित भारतीय वायुसेना का विमान है, को भी पहली बार प्रदर्शित किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- पारंपरिक फ्लाईपास्ट और **हवाई प्रदर्शन 9 नवंबर को गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा,** जो इस वर्ष के वायुसेना **दिवस समारोह का समापन होगा।**

70वें फिल्मफेयर पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

70वें हुंडई फिल्मफेयर पुरस्कार 2025, जो **11 अक्तूबर, 2025** को EKA एरेना, अहमदाबाद में **गुजरात पर्यटन** के सहयोग से आयोजित किये गए, हिंदी सिनेमा में उत्कृष्टता का एक विशिष्ट उत्सव था।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह समारोह **शाहरुख खान** और **करण जौहर** द्वारा होस्ट किया गया, जो 18 वर्षों के बाद फिल्मफेयर मंच पर फिर से मिले। यह आयोजन चमक-दमक और यादों का संगम था, जो सिनेमा की सात दशकों की उत्कृष्टता का उत्सव मनाने के लिये आयोजित किया गया।
- **उद्देश्य: वर्ष 2024** की **सर्वश्रेष्ठ फिल्मों** का उत्सव मनाना और कई श्रेणियों में उत्कृष्टता को सम्मानित करना।
- **मुख्य जीत: 'लापता लेडीज़'** ने **रात की सबसे बड़ी जीत** दर्ज की, **13 ट्रॉफियाँ** जीतीं, जिसमें **सर्वश्रेष्ठ फिल्म** (Best Film) शामिल है और इस तरह **'गली बॉय'** (2019) का रिकॉर्ड बनाए रखा, जिसमें रणवीर सिंह तथा आलिया भट्ट थे।
  - अभिनय श्रेणियों में अभिषेक बच्चन और कार्तिक आर्यन ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष)** पुरस्कार साझा किया, जबकि **आलिया भट्ट** ने अपने शानदार रोल के लिये **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री** ट्रॉफी जीती।

टॉप इंडिविजुअल विनर्स		
नाम	**पुरस्कार/अवार्ड्स**	**फिल्म/फिल्में**
किरण राव	सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	लापता लेडीज़

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

शूजित सरकार	क्रिटिक्स अवार्ड फॉर बेस्ट फिल्म	आई वांट टू टॉक
स्नेहा देसाई	बेस्ट स्क्रीनप्ले एंड बेस्ट डायलॉग	लापता लेडीज़
राम संपथ	बेस्ट म्यूज़िक एल्बम एंड बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर	लापता लेडीज़
अचिंत ठक्कर	RD बर्मन अवार्ड (संगीत में उभरती प्रतिभा)	जिगरा, मिस्टर एंड मिसेज़ माही
ज़ीनत अमान, श्याम बेनेगल (पोस्टह्यूमसली)	लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड	भारतीय सिनेमा में अतुलनीय योगदान के लिये सम्मानित

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

चर्चा में क्यों?

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (World Mental Health Day) 2025 के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने राष्ट्रीय टेली-मेंटल हेल्थ कार्यक्रम (Tele-MANAS) के तहत कई नई सुविधाओं की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **ऐप सुधार: Tele-MANAS मोबाइल ऐप** उपयोगकर्त्ताओं को कहीं भी और कभी भी मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँचने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे भारत के **डिजिटल स्वास्थ्य ढाँचे** को सुदृढ़ किया जाता है।
    - ऐप में अब **बहुभाषी इंटरफेस, चैटबोट, पहुँच सुधार** और **आपातकालीन प्रतिक्रिया मॉड्यूल** जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।
    - ऐप **10 क्षेत्रीय भाषाओं** (असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, तेलुगु, ओड़िया और पंजाबी) में उपलब्ध है, इसके अलावा **अंग्रेज़ी** तथा **हिंदी** में भी उपलब्ध है।
    - **सुलभता सुविधाएँ** इसे **दिव्यांग व्यक्तियों**, विशेषकर दृष्टिहीन लोगों के लिये उपयोगकर्त्ता-अनुकूल बनाती हैं।
    - **चैटबोट "अस्मी" (Asmi)** उपयोगकर्त्ताओं को संवाद करने, जानकारी प्राप्त करने और मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँचने की सुविधा देता है।
    - **आपातकालीन मॉड्यूल** संकट के समय त्वरित मार्गदर्शन और सहायता सुनिश्चित करता है।
- **मेंटल हेल्थ एंबेसडर:** मंत्री ने घोषणा की कि **दीपिका पादुकोण** को **मेंटल हेल्थ एंबेसडर** के रूप में नामित किया गया है, ताकि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के संबंध में जागरूकता बढ़ाई जा सके।
- **विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस:**
    - **परिचय:** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, जिसे **10 अक्तूबर** को मनाया जाता है, का उद्देश्य **मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, संवाद को प्रोत्साहित करना** और **सभी के लिये मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुलभ बनाने के प्रयासों** को सक्रिय करना है।
    - **थीम:** 2025 की थीम, **"सेवाओं तक पहुँच- आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य"** (**Access to Services - Mental Health in Catastrophes and Emergencies**), यह दर्शाती है कि प्राकृतिक आपदाओं, **सशस्त्र संघर्षों और महामारी जैसी संकट की स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना** कितना महत्त्वपूर्ण है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व मानक दिवस

चर्चा में क्यों ?

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी ने 14 अक्तूबर, 2025 को **विश्व मानक दिवस (World Standards Day)** कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

- यह कार्यक्रम भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा आयोजित किया गया था, जो उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान (NITS) में आयोजित इस समारोह में भारत का **राष्ट्रीय लाइटिंग कोड 2025 (National Lighting Code of India 2025)** जारी किया गया, इसके साथ ही लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) तथा **ऑनलाइन स्टैंडर्ड डेवलपमेंट (OSD) मॉड्यूल** को भी **BIS मानक पोर्टल** पर लॉन्च किया गया।
- **विश्व मानक दिवस:**
  - **परिचय:** विश्व मानक दिवस पहली बार वर्ष **1970** में मनाया गया था, जिसका उद्देश्य सुरक्षा, गुणवत्ता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने में मानकों (Standards) के महत्त्व के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना था।
    - यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) ने **अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (IEC)** और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के सहयोग से स्थापित किया था, ताकि वैश्विक स्तर पर मानक विकसित करने वाले समुदाय तथा उनके योगदान का सम्मान किया जा सके।
  - **उद्देश्य:** विश्व मानक दिवस उन मानकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका का उत्सव मनाता है, जो **गुणवत्ता, सुरक्षा और सततता** सुनिश्चित करते हैं। यह उन विशेषज्ञों-वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के सहयोगात्मक प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है, जो इन ढाँचों को बनाने के लिये कार्य करते हैं।
  - **थीम: वर्ष 2025 की थीम, "A Shared Vision for a Better World: Standards for Sustainable Development Goals" अर्थात् एक बेहतर विश्व के लिये साझा दृष्टि: सतत् विकास लक्ष्यों हेतु मानक** अंतर्राष्ट्रीय मानकों की उस भूमिका पर ज़ोर देती है, जो संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लिये वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देती है।

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)

- BIS भारत का **वैधानिक राष्ट्रीय मानक संस्थान** है, जिसे वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के समन्वित विकास के लिये BIS अधिनियम, 2016 के तहत स्थापित किया गया।
  - इसकी स्थापना प्रारंभ में **भारतीय मानक संस्था (ISI)** के रूप में हुई थी, जो **6 जनवरी, 1947** को अस्तित्व में आई।
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।
- BIS विभिन्न योजनाओं का संचालन करता है, जैसे कि उत्पाद प्रमाणन (ISI मार्क), सोने और चांदी के आभूषणों की **हॉलमार्किंग,** ईको मार्क योजना (पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के लेबलिंग के लिये)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

भारत-दक्षिण कोरिया नौसैनिक द्विपक्षीय अभ्यास (IN-RoKN)

चर्चा में क्यों ?

भारत-दक्षिण कोरिया द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास (IN-RoKN) का पहला संस्करण 13 अक्तूबर, 2025 को दक्षिण कोरिया के बुसान नेवल बेस में शुरू हुआ, जो भारतीय नौसेना (IN) और कोरिया गणराज्य नौसेना (RoKN) के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी में एक मील का पत्थर है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** पहला IN-RoKN अभ्यास दो अलग-अलग चरणों- **हार्बर फेज़ और सी फेज़** में आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य दोनों समुद्री सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता (इंटरऑपरेबिलिटी), **आपसी समझ तथा विश्वास** को बढ़ाना है।
  - **हार्बर फेज़:** इस चरण में, दोनों देशों के नौसैनिक अधिकारी क्रॉस-डेक विज़िट, पेशेवर अनुभवों का आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं का साझाकरण, खेलकूद गतिविधियों और क्रॉस-ट्रेनिंग सत्रों में शामिल होंगे। **INS सह्याद्रि के कमांडिंग ऑफिसर** भी **वरिष्ठ RoKN अधिकारियों** तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार करेंगे।
  - **सी फेज़:** समुद्री चरण में **INS सह्याद्रि और ROKS Gyeongnam** के बीच जटिल संयुक्त अभ्यास एवं संचालन संबंधी अभ्यास होंगे, जिनका उद्देश्य सामरिक समन्वय तथा परिचालन सहयोग को सुदृढ़ करना है।
- **INS सह्याद्रि: INS सह्याद्रि** एक स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित **शिवालिक-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट** है। इसे वर्ष 2012 में कमीशन किया गया तथा यह **ईस्टर्न नेवल कमांड के ईस्टर्न फ्लीट** के अधीन सेवाएँ प्रदान करता है, जिसका मुख्यालय विशाखापट्टनम में स्थित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह भारत की '**आत्मनिर्भर भारत**' (Self-Reliant India) पहल और उसकी स्वदेशी शिपबिल्डिंग क्षमताओं का प्रतीक है।

- **रणनीतिक महत्त्व:** जैसे-जैसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का भू-राजनीतिक महत्त्व बढ़ रहा है, भारत और कोरिया गणराज्य ने साझा हितों, **आपसी सम्मान तथा सामान्य मूल्यों पर आधारित सुदृढ़ समुद्री साझेदारी** विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता की दोबारा पुष्टि की है।

विश्व खाद्य दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

विश्व खाद्य दिवस प्रतिवर्ष **16 अक्तूबर** को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण और संधारणीय कृषि के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय: विश्व खाद्य दिवस** संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा **16 अक्तूबर, 1945** को स्थापित खाद्य और कृषि संगठन (FAO) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है।
  - विश्व खाद्य दिवस 1979 में FAO की 20वीं महासभा के दौरान अस्तित्व में आया और 1984 में इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकृति प्रदान की।
  - **भोजन का अधिकार** 1948 के सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र (Universal Declaration of Human Rights) द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- **थीम:** वर्ष 2025 के लिये थीम है "**बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ**", जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है।
- **भारत की स्थिति:** पिछले दशक में भारत का अन्न उत्पादन लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा है, जो दृढ़ कृषि विकास को दर्शाता है।
  - फल और सब्ज़ियों का उत्पादन भी महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ा है तथा इसी अवधि में यह 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक हो गया।
  - **भारत** अब दूध और बाजरे (मिलेट्स) के उत्पादन में विश्व में **प्रथम स्थान** पर है, जबकि मछली, फल तथा सब्ज़ियों के उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है। वर्ष 2014 के बाद से शहद एवं अंडे का उत्पादन दोगुना हो गया है।
- **भारत की पहलें:** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण (POSHAN) योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्टेबिलाइज़ेशन फंड (PSF) जैसी प्रमुख पहलें भारत की खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

चर्चा में क्यों?

15 अक्तूबर, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर राष्ट्रपति भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

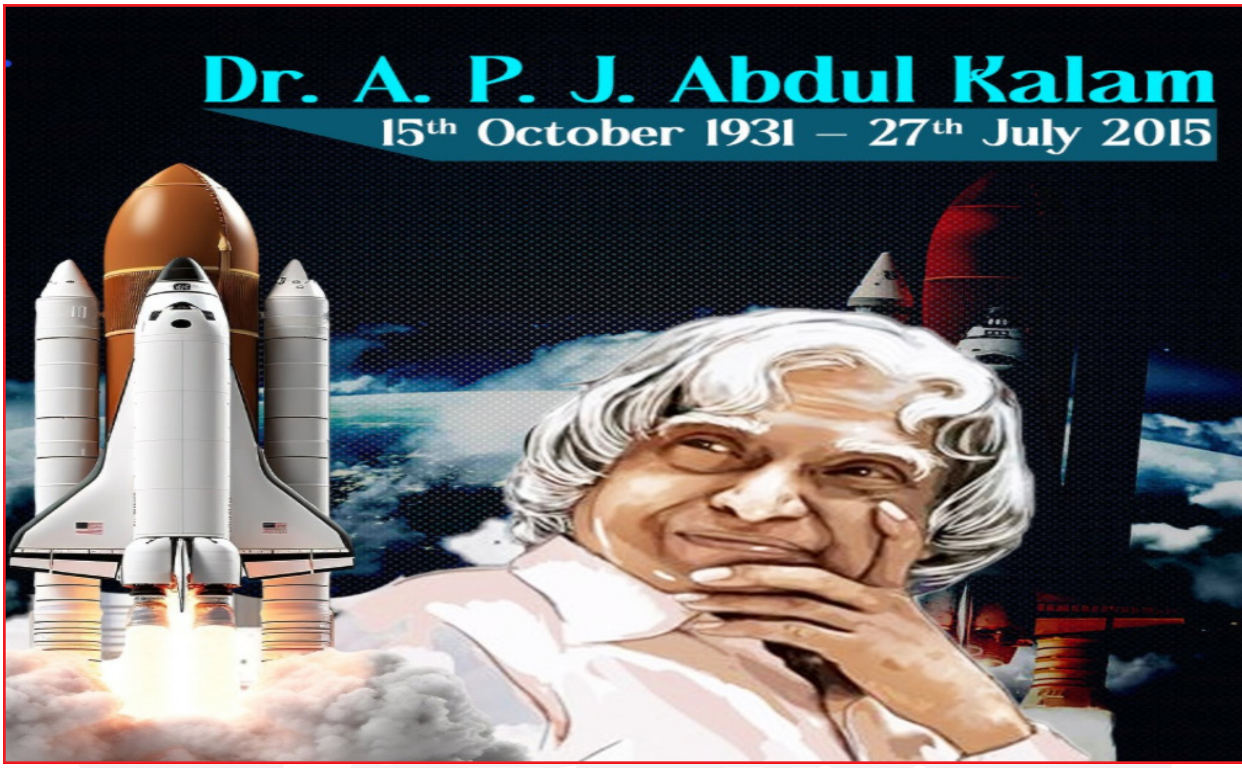

मुख्य बिंदु

- **परिचय: डॉ. अवुल पाकिर जैनुलआबदीन अब्दुल कलाम** का जन्म **15 अक्तूबर, 1931** को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता प्राप्त की थी।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान:** वे भारत के **पहले स्वदेशी** उपग्रह प्रक्षेपण यान (SLV-III) के परियोजना निदेशक रहे, जिसने जुलाई, 1980 में **रोहिणी उपग्रह** को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया, जिससे भारत विशिष्ट "स्पेस क्लब" का सदस्य बना।
  - उन्होंने इसरो के प्रक्षेपण यान कार्यक्रम के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से PSLV **कॉन्फिगरेशन** के निर्माण में, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं की आधारशिला बन गया।
- **रक्षा विकास: एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम** (IGMDP) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में, उन्होंने AGNI और **PRITHVI** जैसी प्रमुख मिसाइल प्रणालियों के विकास तथा संचालन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - जुलाई, 1992 से दिसंबर, 1999 तक रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (DRDO) के सचिव के रूप में, डॉ. कलाम ने भारत के मिसाइल प्रणालियों के सशस्त्रीकरण का नेतृत्व किया तथा सफल पोखरण-II **परमाणु परीक्षणों** की देख-रेख की, जिससे भारत एक परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- उनका योगदान रक्षा प्रणालियों में आत्मनिर्भरता तक विस्तृत था, जिसमें लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) के विकास में उनकी अहम भूमिका शामिल है।
- **विकसित भारत का दृष्टिकोण:** उनका नेतृत्व **टेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल** (TIFAC) तक विस्तृत था, जहाँ उन्होंने अध्यक्ष के रूप में **टेक्नोलॉजी विज़न 2020** परियोजना का नेतृत्व किया।
- **पुस्तकें:** उनकी रचनाएँ जैसे- ***"विंग्स ऑफ फायर", "इंडिया 2020 - ए विज़न फॉर द न्यू मिलेनियम", "माय जर्नी"*** और ***"इग्नाइटेड माइंड्स - अनलीशिंग द पावर विदिन इंडिया"***- अनेक भाषाओं में अनुदित की गई हैं, जो आज भी विश्वभर में लोकप्रिय हैं।
- **सम्मान और पुरस्कार:** उन्हें 30 मानद डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त हुईं तथा भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों जैसे- **पद्म भूषण** (1981), **पद्म विभूषण** (1990) और भारत रत्न (1997) से सम्मानित किया गया।
  - **भारत के राष्ट्रपति:** 25 जुलाई, 2002 को डॉ. कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति बने, जहाँ उन्होंने विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया। उनकी राष्ट्रपति अवधि का प्रमुख लक्ष्य था- भारत को वर्ष 2020 तक एक वैश्विक नेता के रूप में परिवर्तित करना। उन्होंने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, राष्ट्रीय गौरव और युवा सशक्तीकरण की एक अमिट विरासत स्थापित की।

विशाखापत्तनम में गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब

चर्चा में क्यों ?

गूगल ने आंध्र प्रदेश के **विशाखापत्तनम** में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब स्थापित करने के लिये वर्ष 2026 से 2030 तक अगले पाँच वर्षों में **15 अरब डॉलर** निवेश करने की योजना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस परियोजना की घोषणा नई दिल्ली में आयोजित **'भारत AI शक्ति'** कार्यक्रम के दौरान की गई, जहाँ **गूगल के CEO सुंदर पिचाई** ने बताया कि उन्होंने इस परियोजना पर **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** से चर्चा की थी।
- **सबसे बड़ा AI हब: विशाखापत्तनम** में बनने वाला नया डेटा सेंटर अमेरिका के बाहर **गूगल का सबसे बड़ा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब** होगा।
  - यह पहल गूगल की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी इस वर्ष लगभग **85 अरब डॉलर** का निवेश करके अपने डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है, ताकि विश्वभर में बढ़ती AI सेवाओं की मांग को पूरा किया जा सके।
- **सेवाएँ:** गूगल AI हब पूरी तरह से AI समाधान प्रदान करेगा, जिसमें गूगल के स्वामित्व वाले टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (TPU) का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक चिप्स की तुलना में दोगुनी ऊर्जा-कुशल हैं।
  - यह हब डेटा को स्थानीय रूप से संग्रहित करेगा ताकि भारत की **सॉवरेन AI आवश्यकताओं** का पालन हो सके, साथ ही गूगल के उन्नत AI मॉडल जैसे- **जेमिनी (Gemini), इमैजिन (Imagine) और वीओ (Veo)** को भी तैनात किया जाएगा।
- **सहयोग:** इस महत्त्वाकांक्षी पहल का समर्थन करने के लिये **अडानी समूह** और **एयरटेल** ने गूगल के साथ साझेदारी की है। इसके अंतर्गत आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया जाएगा, जिसमें एक **न्यू इंटरनेशनल सबसिया गेटवे** भी शामिल है।

समुद्र शक्ति का पाँचवाँ संस्करण

चर्चा में क्यों ?

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारतीय नौसेना 14 से 17 अक्तूबर तक **आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम** में इंडोनेशियाई नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास '**समुद्र शक्ति**' के पाँचवें संस्करण की मेज़बानी कर रही है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य समुद्र और तट दोनों पर पेशेवर तथा परिचालनिक गतिविधियों की एक शृंखला के माध्यम से दोनों देशों के बीच **अंतरसंचालन क्षमता (interoperability)** को बढ़ाना तथा **समुद्री सहयोग** को सुदृढ़ करना है।
- भाग लेने वाली इकाइयाँ:
  - **INS कवरत्ती:** भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की एक पनडुब्बी-रोधी युद्धक (Anti-Submarine Warfare) कॉर्वेट।
  - **KRI जॉन ली:** इंडोनेशियाई नौसेना की एक कॉर्वेट, जो एक एकीकृत हेलीकॉप्टर से सुसज्जित है।
- **हार्बर फेज़:** हार्बर चरण में गतिविधियाँ शामिल हैं जैसे- **क्रॉस-डेक दौरे, संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन** और **सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट एक्सचेंज (SMEE) कार्यक्रम** के तहत पेशेवर आदान-प्रदान, जो दोनों देशों के नौसैनिक कर्मियों के बीच **पेशेवर संवाद तथा सौहार्द बढ़ाने** के उद्देश्य से आयोजित की जाती हैं।
- **सी चरण:** सी चरण में **जटिल और उच्च-गतिशीलता वाले समुद्री अभियान** होंगे, जिनका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच **टैक्टिकल समन्वय (tactical coordination)** में सुधार करना है। इन अभियानों में हेलीकॉप्टर युद्धाभ्यास, **हवाई रक्षा अभ्यास (Air Defence Exercises),** हथियार फायरिंग ड्रिल्स और विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सिज़र (VBSS) ऑपरेशन्स शामिल होंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **महत्त्व:** यह अभ्यास **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और शांति बनाए रखने** के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को उजागर करता है।
- भारत और इंडोनेशिया के बीच अन्य सैन्य अभ्यास: गरुड़ शक्ति, IND-INDO CORPAT

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025, जिसे भारतीय सेना ने 14 से 16 अक्तूबर, 2025 तक आयोजित किया, में **32 देशों के वरिष्ठ सैन्य नेताओं** को एकत्रित किया गया, जो वैश्विक **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस सम्मेलन में 32 देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हैं, जिनमें अल्जीरिया, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राज़ील, मिस्र, इथियोपिया, फ्राँस, घाना, भारत, इटली, केन्या, मलेशिया, नेपाल, नाइजीरिया, पोलैंड, रवांडा, श्रीलंका, तंज़ानिया, थाईलैंड, युगांडा, उरुग्वे और वियतनाम शामिल हैं।
  - इस कार्यक्रम में रक्षा प्रदर्शनियाँ भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य शांति स्थापना अभियानों के लिये साझा क्षमताओं का निर्माण करना है।
- **उद्देश्य:** UNTCC एक महत्त्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य परिचालनिक चुनौतियों, विकसित हो रहे खतरों, अंतर-संचालन क्षमता, निर्णय-निर्माण में समावेशिता और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना को सुदृढ़ करने में प्रौद्योगिकी तथा प्रशिक्षण की भूमिका पर चर्चा करना है।
  - **भारत**, जो संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्त्ताओं में से एक है, ने **भविष्य के शांति स्थापना अभियानों के लिये**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा, ज्ञान साझा करने और आपसी समझ विकसित करने के उद्देश्य से इस उच्च स्तरीय मंच का आयोजन किया है।

- **प्रौद्योगिकी प्रदर्शन:** प्रमुखों ने भारतीय सेना द्वारा एकीकृत, आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन देखा, जिसमें विभिन्न स्वदेशी सैन्य उपकरणों को प्रदर्शित किया गया।
- **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिये 4C सूत्र:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शांति स्थापना में उभरती चुनौतियों का समाधान करने हेतु ***परामर्श (Consultation), सहयोग (Cooperation), समन्वय (Coordination) और क्षमता निर्माण (Capacity Building)*** के मार्गदर्शक सिद्धांत का प्रस्ताव रखा, जिसे **4C सूत्र** कहा गया।
  - उन्होंने यह भी बताया कि **नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर UN पीसकीपिंग** ने 90 से अधिक देशों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे शांति सैनिकों के बीच **अंतरसंचालन क्षमता (Interoperability)** के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान मिला है।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (UNPK)

- पहला UNPK मिशन, **संयुक्त राष्ट्र युद्धविराम पर्यवेक्षण संगठन (UNTSO)**, मई 1948 में स्थापित किया गया था ताकि इज़रायल और उसके अरब पड़ोसियों के बीच **आर्मिस्टिस समझौते** की निगरानी एक छोटे सैन्य पर्यवेक्षक दल के माध्यम से की जा सके।
- उन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा **युद्धविराम और शांति समझौतों का समर्थन करने** के लिये तैनात किया जाता है तथा इन्हें **ब्लू हेलमेट्स** कहा जाता है क्योंकि हल्का नीला रंग **UN ध्वज पर शांति का प्रतीक** है।
- वर्तमान में, 119 देशों के 61,000 से अधिक सैन्य और पुलिस शांति सैनिक तथा 7,000 से अधिक नागरिक कर्मी 11 संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में सेवा प्रदान कर रहे हैं।

पिंकी आनंद बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों?

डॉ. पिंकी आनंद, वरिष्ठ अधिवक्ता और **भारत की पूर्व** एडिशनल सॉलिसिटर जनरल**,** को **बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (BICC)** में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है, जो कि वर्ष 2024 में **पूर्व** सर्वोच्च न्यायालय **के न्यायाधीश संजय किशन कौल** की उसी न्यायालय में नियुक्ति के बाद हुआ है।

डॉ. पिंकी आनंद

- **पृष्ठभूमि: हार्वर्ड लॉ स्कूल की स्नातक और इन्लैक्स स्कॉलर, डॉ. पिंकी आनंद के पास 40 वर्षों से अधिक का विधिक अनुभव** है। उन्होंने भारत में **एडिशनल सॉलिसिटर जनरल** (2014-2020) के रूप में कार्य किया और उन्हें संवैधानिक कानून, सिविल मध्यस्थता तथा आपराधिक कानून में विशेषज्ञता प्राप्त है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व:** उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व विभिन्न **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों** पर किया है, जिनमें **ब्रिक्स (BRICS)** शामिल हैं; **ब्रिक्स लीगल फोरम** की संस्थापक सदस्य भी हैं।
- **सम्मान:** उन्हें फ्राँस के राष्ट्रपति द्वारा **फ्रेंच नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट** से सम्मानित किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (BICC)

- **बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय** (Bahrain International Commercial Court- BICC) की स्थापना जटिल सीमा पार वाणिज्यिक विवादों को निपटाने के लिये की गई है। यह न्यायालय **5 नवंबर, 2025 को न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण समारोह** के साथ अपना कार्य आरंभ करेगा, जिसमें **बहरीन के राजपरिवार और प्रधानमंत्री** की उपस्थिति होगी।
- BICC की अध्यक्षता प्रसिद्ध मध्यस्थता विशेषज्ञ **जान पॉल्सन** कर रहे हैं और इसमें 17 न्यायाधीश शामिल हैं- जिनमें 7 महिलाएँ एवं 10 पुरुष हैं, जो विश्व के **विभिन्न न्यायिक** क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- यह न्यायालय मार्च, 2024 में **बहरीन और सिंगापुर के बीच हुई एक संधि** के तहत स्थापित किया गया है तथा इसका ढाँचा **सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय** (Singapore International Commercial Court- SICC) के मॉडल पर आधारित है ताकि वाणिज्यिक विवाद समाधान में अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

नीरज चोपड़ा को मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि

चर्चा में क्यों?

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को राष्ट्र के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के सम्मान में **प्रादेशिक सेना** (Territorial Army) में **मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि प्रदान** की गई है।

- **पिपिंग समारोह नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक** में आयोजित किया गया, जहाँ **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह** ने **सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी** की उपस्थिति में औपचारिक रूप से यह **रैंक प्रतीक/चिह्न** (Rank Insignia) प्रदान किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** 24 दिसंबर, 1997 को हरियाणा के पानीपत ज़िले के खंडरा गाँव में जन्मे नीरज चोपड़ा एक कृषक परिवार से संबंध रखते हैं और भारत के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में से एक बन चुके हैं।

भारतीय सेना में यात्रा:

- नीरज चोपड़ा अगस्त, 2016 में भारतीय सेना में **राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट** में **नायब सूबेदार** (Naib Subedar) के रूप में शामिल हुए थे तथा **वर्ष 2021** में उन्हें एथलेटिक्स में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये **सूबेदार (Subedar) के पद पर पदोन्नत** किया गया।
- **वर्ष 2022** में, ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें **सूबेदार मेजर (Subedar Major)** पद पर पदोन्नत किया गया और भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान '**परम विशिष्ट सेवा पदक**' से सम्मानित किया गया।
- **अप्रैल, 2025 में,** राष्ट्रपति **द्रौपदी मुर्मू** ने उन्हें राष्ट्रसेवा और उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों की मान्यता में **मानद लेफ्टिनेंट कर्नल (Honorary Lieutenant Colonel) की उपाधि प्रदान** की।

खेल में प्रमुख उपलब्धियाँ:

- **टोक्यो ओलंपिक 2020:** ट्रैक एंड फील्ड में **ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट** बनकर इतिहास रचा।
- **विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023: स्वर्ण पदक जीता,** जिससे वैश्विक एथलेटिक्स में भारत की उपस्थिति और दृढ़ हुई।
- **पेरिस ओलंपिक 2024: रजत पदक** प्राप्त किया, जिससे उनका निरंतर उच्च प्रदर्शन स्तर बना रहा।
- **एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल:** कई **स्वर्ण पदक** जीतकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाला फेंक स्पर्द्धा में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की।
- **डायमंड लीग एवं अन्य प्रतियोगिताएँ:** लगातार शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा **वर्ष 2025 में 90.23 मीटर** का **व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो (Personal Best Throw)** कर भारतीय एथलेटिक्स में एक नया रिकॉर्ड बनाया।

पुरस्कार एवं सम्मान:

- विशिष्ट सेवा पदक (2023)
- परम विशिष्ट सेवा पदक (2022)
- पद्मश्री (2022)
- मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (2021)
- अर्जुन पुरस्कार (2018)

अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस और '#23for23' पहल

चर्चा में क्यों?

भारत ने **23 अक्तूबर, 2025** को **अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस** मनाया, जिसमें '**#23for23**' शीर्षक के तहत एक विशिष्ट राष्ट्रीय अभियान चलाया गया। इस अभियान ने लोगों को 23 मिनट **शारीरिक गतिविधि** के लिये समर्पित करने हेतु प्रेरित किया, ताकि **स्नो लेपर्ड (हिम तेंदुए)** और उनके **संवेदनशील उच्च ऊँचाई वाले आवासों** के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** '**#23for23**' अभियान को वर्ष 2023 के लिये **23 मिनट की सक्रिय भागीदारी** का प्रतीक बनाकर शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण में जागरूकता और सार्वजनिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।
  - यह अभियान **ग्लोबल स्नो लेपर्ड और ईकोसिस्टम प्रोटेक्शन प्रोग्राम (GSLEP)** के अंतर्गत, तथा **स्नो लेपर्ड ट्रस्ट वर्ल्डवाइड**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

के सहयोग से आयोजित किया गया।

- **भारत की संरक्षण उपलब्धियाँ:**
  - भारतीय हिमालय में की गई **पहली स्नो लेपर्ड गणना में 718 स्नो लेपर्ड** पाए गए, जिनमें से **477 लद्दाख** में हैं।
  - भारत ने उच्च ऊँचाई पर स्थित हिमालयों के लिये स्नो लेपर्ड को एक **फ्लैगशिप (मुख्य) प्रजाति** के रूप में चिह्नित किया है।
- **अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस:** यह दिवस **वर्ष 2013** में स्थापित हुआ, जब किर्गिज़स्तान में **बिशकेक घोषणा** को अपनाने के बाद उन **12 देशों** ने, जिनमें स्नो लेपर्ड की आबादी है, संरक्षण प्रयासों में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की।
- **स्नो लेपर्ड की मेज़बानी करने वाले देश:** अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान।

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

स्नो लेपर्ड (Panthera uncia): तथ्य

- **परिचय: मध्यम आकार की बिल्लियाँ** जो **अपनी चतुराई** के लिये जानी जाती हैं और कठोर, ऊँचाई वाले वातावरण में जीवित रहने की क्षमता रखती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पर्यावास:** मध्य और दक्षिण एशिया के पहाड़ों में मूल निवासी, आमतौर पर **9,800 से 17,000 फीट** की ऊँचाई पर पाई जाते हैं।
  - वन्य में लगभग **3,500 से 7,000** स्नो लेपर्ड होने का अनुमान लगाया गया है।
- **विशेषताएँ: मोटे, धूसर-सफेद फर** से युक्त, जो बर्फ और चट्टानों के बीच **छिपने** में सहायता करता है।
- **पारिस्थितिक महत्त्व: ये शीर्ष शिकारी** तथा संकेतक प्रजाति के रूप में कार्य करती हैं, क्योंकि उनकी उपस्थिति **उच्च ऊँचाई पारिस्थितिकी तंत्र** के स्वास्थ्य को दर्शाती है।
  - इनके शिकार से गिद्ध और भेड़िये जैसे अपशिष्ट का सेवन करने वाले जीवों को भोजन मिलता है, जिससे अन्य प्रजातियों का समर्थन होता है।

वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत ने **वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (FRA) 2025** के अनुसार कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व में **नौवें स्थान** पर पहुँचकर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। यह रिपोर्ट खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा **बाली, इंडोनेशिया** में जारी की गई है।

- यह पूर्व में हुए मूल्यांकन में **दसवें स्थान** से सुधार को दर्शाता है और देश के सतत् वन प्रबंधन के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (FRA), जिसे FAO द्वारा संचालित किया जाता है, विश्व के वन संसाधनों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करता है, जिसमें उनकी स्थिति, प्रबंधन और उपयोग शामिल हैं। यह **देशों द्वारा प्रस्तुत डेटा** पर आधारित होता है, जिसे विशेषज्ञ समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से सत्यापित किया जाता है।
  - यह रिपोर्ट सतत् विकास के लिये वर्ष 2030 एजेंडा, पेरिस जलवायु समझौता, **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधता ढाँचा** और **संयुक्त राष्ट्र की वर्ष 2017-2030 के लिये वन रणनीतिक योजना** जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की निगरानी में सहायता करती है।
- **भारत के संबंध में निष्कर्ष:**
  - रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का **कुल वन क्षेत्र लगभग 72.73 मिलियन हेक्टेयर** है, जिससे देश विश्व में **नौवें स्थान** पर है।
  - वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में भारत अभी भी दुनिया में **तीसरे स्थान** पर है, जो उसके बड़े पैमाने पर वनीकरण और संरक्षण पहलों की सफलता को दर्शाता है।
  - FAO रिपोर्ट में भारत के कृषि-वानिकी (एग्रोफॉरेस्ट्री) **क्षेत्र** को भी उजागर किया गया है। 91 देशों में 55.4 मिलियन हेक्टेयर एग्रोफॉरेस्ट्री भूमि में भारत और इंडोनेशिया मिलकर लगभग 70% वैश्विक कुल का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - केवल भारत में **12.87 मिलियन हेक्टेयर** भूमि एग्रोफॉरेस्ट्री में है, जो कार्बन संग्रहण, **आजीविका सृजन और पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- **वैश्विक रुझान:**
  - FRA 2025 के अनुसार, वर्तमान में विश्व के वन लगभग **4.14 बिलियन हेक्टेयर** क्षेत्र में विस्तृत हैं, जो पृथ्वी की कुल भूमि क्षेत्र का लगभग एक-तिहाई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर **वनोन्मूलन (वनों की कटाई) की दर में कमी** देखी गई है, हालाँकि वर्तमान दर **प्रतिवर्ष 10.9 मिलियन हेक्टेयर** अभी भी अधिक है।
- अब विश्व के आधे से अधिक जंगल **दीर्घकालिक प्रबंधन योजनाओं** के तहत हैं और लगभग **20% वन कानूनी रूप से स्थापित संरक्षित क्षेत्रों** में आते हैं।
- वैश्विक स्तर पर **रूस** सबसे ऊपर है, जिसका वन क्षेत्र **832.6 मिलियन हेक्टेयर** है, इसके बाद **ब्राज़ील, कनाडा, अमेरिका और चीन** का स्थान है।

पूर्वी तिमोर आसियान का 11वाँ सदस्य बना

चर्चा में क्यों?

पूर्वी तिमोर **(तिमोर-लेस्ते)** 14 वर्ष की प्रतीक्षा के बाद आधिकारिक रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (ASEAN) **का 11वाँ सदस्य** बन गया है।

- **औपचारिक रूप से इसका समावेश कुआलालंपुर** में एक समारोह में हुआ, जो 1990 के दशक के बाद आसियान का **पहला विस्तार है।**

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - पूर्वी तिमोर ने वर्ष 2011 में आसियान की सदस्यता के लिये आवेदन किया था, उसे वर्ष 2022 में पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया तथा **14 वर्षों के बाद वर्ष 2025 में उसे पूर्ण सदस्यता प्राप्त** हुई।
  - इससे पहले आसियान में शामिल होने वाला अंतिम देश **1999 में कंबोडिया था।**
- **प्रभाव:**
  - सदस्यता से पूर्वी तिमोर को **आसियान के** मुक्त व्यापार समझौतों **में भाग लेने, निवेश के अवसर** प्राप्त करने और **व्यापक क्षेत्रीय बाज़ार में अपनी उपस्थिति का विस्तार** करने में मदद मिलेगी।
- **पूर्वी तिमोर (तिमोर-लेस्ते)**
  - पूर्वी तिमोर जिसे **तिमोर-लेस्ते** के नाम से भी जाना जाता है, दक्षिण-पूर्व में तिमोर सागर, **उत्तर में वेटार जलडमरूमध्य, उत्तर-पश्चिम में ओम्बाई जलडमरूमध्य और दक्षिण-पश्चिम में पश्चिमी तिमोर** (इंडोनेशियाई प्रांत पूर्वी नुसा तेंगारा का हिस्सा) से घिरा है।
  - पूर्वी तिमोर में तिमोर द्वीप का पूर्वी आधा हिस्सा शामिल है, **जिसका पश्चिमी आधा हिस्सा इंडोनेशिया का है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- पूर्वी तिमोर, जिसे 18वीं शताब्दी में **पुर्तगाल ने उपनिवेश बनाया था**, पुर्तगाल के शासन के बाद वर्ष 1975 में इंडोनेशिया द्वारा कब्ज़ा कर लिया गया, जिसके कारण यहाँ स्वतंत्रता के लिये एक लंबा संघर्ष चला।
- वर्ष 1999 में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में हुए जनमत संग्रह में, पूर्वी तिमोरियों ने स्वतंत्रता के लिये मतदान किया, जिसके कारण शांति सेना के हस्तक्षेप तक हिंसा जारी रही और **वर्ष 2002 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा देश को आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई।**

आसियान

- **स्थापना:** आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर द्वारा (1967)
- **संस्थापक सदस्य:** इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **सचिवालय:** इंडोनेशिया, जकार्ता
- **अध्यक्षता:** वार्षिक रूप से बदलती रहती है (वर्तमान में मलेशिया)
- **आसियान शिखर सम्मेलन बैठक:** वर्ष में दो बार आयोजित

भौतिक वैज्ञानिक जयंत नार्लीकर को विज्ञान रत्न

चर्चा में क्यों?

प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक **जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरांत** विज्ञान रत्न पुरस्कार **2025 के लिये चयनित** किया गया है, जो **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** में **आजीवन उपलब्धियों** के लिये देश का सर्वोच्च सम्मान है।

- **भारत सरकार** ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के **दूसरे संस्करण की** घोषणा की, जिसमें चार श्रेणियों - **विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा** और **विज्ञान टीम** में **23 व्यक्तियों तथा एक संस्थान को** सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **जयंत विष्णु नार्लीकर के बारे में:**
  - जयंत विष्णु नार्लीकर (1938–2025) एक **प्रख्यात खगोल-भौतिक वैज्ञानिक** थे, जो **ब्रह्मांड विज्ञान, सामान्य सापेक्षता** तथा **ब्रह्मांड के स्थिर-अवस्था सिद्धांत** पर अपने शोध कार्यों के लिये विख्यात थे।
  - **सर फ्रेड होयल** के निकट सहयोगी के रूप में उन्होंने **गुरुत्वाकर्षण के होयल-नार्लीकर सिद्धांत** का सह-विकास किया।
  - वे **पुणे स्थित अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल-भौतिकी केंद्र (IUCAA)** के **संस्थापक निदेशक** रहे।
  - उनके योगदान ने भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान के मध्य सेतु का कार्य किया, जबकि उनके **लोकप्रिय विज्ञान लेखन** ने युवा वैज्ञानिकों की अनेक पीढ़ियों को प्रेरित किया।
- **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के प्राप्तकर्त्ता:**

विज्ञान श्री (विशिष्ट योगदान)	
प्राप्तकर्त्ता	**क्षेत्र**
ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह	कृषि विज्ञान
यूसुफ मोहम्मद शेख	परमाणु ऊर्जा
के. थंगराज	जैविक विज्ञान
प्रदीप थलप्पिल	रसायन विज्ञान
अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित	इंजीनियरिंग विज्ञान
एस. वेंकट मोहन	पर्यावरण विज्ञान
महान एम.जे.	गणित और कंप्यूटर विज्ञान

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

जयन एन	अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी
विज्ञान युवा (युवा वैज्ञानिक पुरस्कार)	
जगदीश गुप्ता कपुगंती	कृषि विज्ञान
सतेंद्र कुमार मंगरौठिया	कृषि विज्ञान
देबरका सेनगुप्ता	जैविक विज्ञान
दीपा अगाशे	जैविक विज्ञान
दिब्येंदु दास	रसायन विज्ञान
वलीउर रहमान	भू - विज्ञान
अर्काप्रवा बसु	इंजीनियरिंग विज्ञान
सब्यसाची मुखर्जी	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
श्वेता प्रेम अग्रवाल	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
सुरेश कुमार	दवा
अमित कुमार अग्रवाल	भौतिक विज्ञान
सुरहुद श्रीकांत मोरे	भौतिक विज्ञान
अंकुर गर्ग	अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी
मोहनशंकर शिवप्रकाशम	प्रौद्योगिकी और नवाचार
विज्ञान टीम पुरस्कार	
CSIR अरोमा मिशन	कृषि विज्ञान

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

परिचय:

- **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (RVP)** भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है जो वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों के असाधारण योगदान को मान्यता देता है।
- पद्म पुरस्कारों की तर्ज पर स्थापित यह सम्मान **विज्ञान, प्रौद्योगिकी और** नवाचार के विविध क्षेत्रों में उपलब्धियों को मान्यता देता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- ये पुरस्कार **प्रतिवर्ष भारत के** राष्ट्रपति **द्वारा** राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर **राष्ट्रपति भवन** में प्रदान किये जाते हैं।
- वर्ष 2023 में स्थापित इस पुरस्कार के विजेताओं की अनुशंसा **प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार** की अध्यक्षता वाली **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति (RVPC)** द्वारा की जाती है।
- इसका **पहला समारोह अगस्त, 2024** में आयोजित किया गया था।

श्रेणियाँ:

- **विज्ञान रत्न:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में *आजीवन उपलब्धियों और योगदान* के लिये प्रदान किया जाता है।
- **विज्ञान श्री:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है।
- **विज्ञान युवा:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में *असाधारण उपलब्धियों* के लिये *45 वर्ष से कम आयु* के युवा वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है।
- **विज्ञान टीम:** उत्कृष्ट सहयोगात्मक कार्य के लिये तीन या अधिक वैज्ञानिकों, शोधकर्त्ताओं या नवप्रवर्तकों की टीम को प्रदान किया जाता है।

त्रिशूल अभ्यास

चर्चा में क्यों ?

भारत ने पाकिस्तान से सटी **पश्चिमी सीमा** पर बड़े स्तर पर तीनों सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'त्रिशूल' प्रारंभ किया है।

- यह अभ्यास सर क्रीक क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच किसी भी उकसावे या विरोध का सामना करने तथा **रक्षा तैयारियों को सुदृढ़** करने में भारत की तत्परता को रेखांकित करता है।

मुख्य बिंदु

- **अभ्यास के बारे में:**
  - यह अभ्यास **30 अक्तूबर से 10 नवंबर, 2025** तक निर्धारित है, जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना की बड़े पैमाने पर भागीदारी शामिल है।
    - इसका उद्देश्य **परिचालन तत्परता, संयुक्त समन्वय** और **बहु-क्षेत्र युद्ध कौशल** को बढ़ाना है।
  - इस अभ्यास का **कोड नाम "त्रिशूल"** है, जबकि आंतरिक रूप से इसे **"महागुर्जर"** कहा जाता है।
  - यह अभ्यास **जैसलमेर (राजस्थान) से सर क्रीक (गुजरात)** तक फैले थार रेगिस्तान को कवर करेगा।
- **उद्देश्य:**
  - मुख्य लक्ष्य **सेना, नौसेना और वायुसेना** के बीच **संयुक्त संचालन** का परीक्षण तथा सुधार करना है, जिसमें **भूमि, समुद्र, वायु** एवं **साइबर क्षेत्र** शामिल हैं।
  - अभ्यास में **एकीकृत संचालन, डीप-स्ट्राइक मिशन, अम्फीबियस युद्ध** और **बहु-क्षेत्र युद्ध तैयारियों** पर विशेष जोर दिया जाएगा।
  - यह अभ्यास **विभिन्न कमांडों के बीच समन्वय** बढ़ाने और **नवीनतम स्वदेशी हथियार प्रणालियों** को **वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में परखने** का भी लक्ष्य रखता है।
- **भागीदारी:**
  - **सेना** ने **20,000 से अधिक सैनिक** तैनात किये हैं, जिन्हें **T-90S और अर्जुन टैंक, हॉवित्ज़र, सशस्त्र हेलीकॉप्टर** तथा **मिसाइल प्रणाली** का समर्थन प्राप्त है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **वायुसेना (IAF)** उच्च-गति वाले **"महागुर्जर"** संचालन कर रही है, जिसमें राफेल और सुखोई-30MKI फाइटर जेट, परिवहन तथा ईंधन भरण विमान (IL-78), AEW&C प्रणाली एवं UAVs तैनात हैं।
- **नौसेना** ने सौराष्ट्र और गुजरात तटों पर **फ्रिगेट** तथा **विध्वंसक पोत** तैनात किये हैं, ताकि अम्फीबियस एवं समुद्री युद्ध अभ्यास किया जा सके।

- **एयरमैन को नोटिस (NOTAM) :**
  - भारतीय वायु सेना (IAF) ने अभ्यास के दौरान राजस्थान और गुजरात के बड़े हिस्सों में **नागरिक उड़ानों को प्रतिबंधित करने के लिये एयरमैन को नोटिस (NOTAM)** जारी किया है, जबकि पाकिस्तान ने 28–29 अक्तूबर 2025 के आसपास अपने केंद्रीय तथा दक्षिणी वायु क्षेत्र में समान रूप से हवाई मार्गों पर प्रतिबंध लगाया है, संभवतः अपने **सैन्य अभ्यास या हथियार परीक्षण** के कारण।

मोंथा चक्रवात

चर्चा में क्यों ?

बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न चक्रवात **"मोंथा"** भारत के **पूर्वी तट** के निकट पहुँचते ही **तीव्र रूप ले रहा है**, जिसके कारण **आंध्र प्रदेश, ओडिशा** और **तमिलनाडु** में **हाई अलर्ट** जारी किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **चक्रवात के बारे में:**
  - **परिभाषा:** चक्रवात वे तेज़ वायु-संचलन हैं, जो **निम्न-दबाव क्षेत्रों** के चारों ओर घूमते हैं, जो **उत्तरी गोलार्द्ध** में **वामावर्त** तथा **दक्षिणी गोलार्द्ध** में **दक्षिणावर्त** घूमता है। ये अक्सर **तूफान और गंभीर मौसम** उत्पन्न करते हैं।
  - **चक्रवातों का वर्गीकरण:** IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए **बंगाल की खाड़ी** और **अरब सागर** में कम दबाव वाली प्रणालियों को **क्षति क्षमता** के आधार पर वर्गीकृत करता है।
  - **चक्रवातों का नामकरण:** WMO/ESCAP (एशिया और प्रशांत के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग) का **ट्रॉपिकल साइक्लोन पैनल**, जिसमें 13 **उत्तरी** हिंद महासागर **देश** शामिल हैं, **अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों** के नामकरण का प्रबंधन करता है।
    - पैनल के पास 13 **देशों द्वारा प्रस्तुत नामों की पूर्व-निर्धारित सूची** होती है, जिसका **क्रमिक रूप से उपयोग** किया जाता है।
    - नामों का चयन **स्तंभ दर स्तंभ** किया जाता है, चाहे चक्रवात **कहीं भी उत्पन्न** हुआ हो।
- **हालिया चक्रवात:**
- **'मोंथा' नाम,** जिसका अर्थ है सुंदर या सुगंधित फूल, **थाईलैंड द्वारा दिया गया था।**
- इस मौसम के पहले चक्रवाती तूफान का नाम **श्रीलंका के सुझाव पर 'शक्ति' रखा गया।**
- हाल ही में आए अन्य चक्रवातों में **शक्ति** (श्रीलंका), **फेंगल** (सऊदी अरब), **दाना** (कतर), **असना** (पाकिस्तान) और **रेमल** (ओमान) शामिल हैं।
- नामकरण सूची के अनुसार, अगला चक्रवात **सेंयार (UAE) होगा,** उसके बाद **दित्वा (यमन), अर्नब (बांग्लादेश)** और **मुरासु (भारत) होंगे।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

DFC पर यात्री ट्रेनों का परिचालन

चर्चा में क्यों ?

भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार, **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC)** नेटवर्क **पर यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया है।**

मुख्य बिंदु

- पारंपरिक रूप से, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (**DFCs) विशेष रूप से माल परिवहन** के लिये विकसित किये गए थे, जिनका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ाना और मौजूदा रेलवे लाइनों पर भीड़ को कम करना था।
- हालाँकि **छठ पूजा (25-28 अक्तूबर, 2025) के दौरान भारी भीड़ के कारण**, रेलवे ने पहली बार खाली **पैसेंजर कोचिंग रैक और विशेष ट्रेनों** को DFC पर चलाने की अनुमति दी।
- इस कदम से त्योहार के समय अधिक संख्या में **पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें** संचालित करना संभव हुआ।

DFC का स्वरूप:

- **ईस्टर्न DFC (EDFC): ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** लुधियाना (पंजाब) से शुरू होकर उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए दनकुनी (पश्चिम बंगाल) तक लगभग 1,839 किमी की लंबाई में विस्तृत है। EDFC का अधिकांश वित्तपोषण विश्व बैंक द्वारा किया जा रहा है।
- **वेस्टर्न DFC (WDFC):** यह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (JNPT), मुंबई से दादरी तक लगभग 1,506 किमी लंबा है। WDFC का वित्तपोषण **जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA)** द्वारा किया जा रहा है।

8वें वेतन आयोग की संदर्भ शर्तें स्वीकृत

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) के लिये **संदर्भ की शर्तों (ToR)** को स्वीकृति दे दी है।

- यह आयोग **केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन संरचना** तथा सेवानिवृत्ति लाभों की समीक्षा एवं सिफारिश करने के लिये उत्तरदायी है।

मुख्य बिंदु

- **8वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) के गठन की घोषणा जनवरी, 2025 में की गई थी** और इसके **संदर्भ की शर्तों (ToR)** को 28 अक्तूबर, 2025 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- आयोग अपने गठन के **18 महीने के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगा,** जिससे लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारी (रक्षा कार्मिकों सहित) एवं 69 लाख पेंशनभोगी प्रभावित होंगे।
- आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद **संशोधित वेतन एवं पेंशन संरचना जनवरी, 2026 से लागू होने की संभावना है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **8वें केंद्रीय वेतन आयोग की संरचना:**

पद	नाम / पदनाम
अध्यक्ष	न्यायमूर्ति रंजन प्रकाश देसाई (पूर्व सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश)
अंशकालिक सदस्य	प्रो. पुलक घोष (भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलूरू)
सदस्य सचिव	पंकज जैन (पेट्रोलियम सचिव)

- **संदर्भ की शर्तें (ToR):**
  - 8वें केंद्रीय वेतन आयोग को निम्नलिखित विषयों पर विचार करने के बाद सिफारिशें करने का कार्य सौंपा गया है:
    - देश की आर्थिक स्थिति एवं राजकोषीय **सतर्कता** की आवश्यकता।
    - विकासात्मक व्यय एवं **कल्याणकारी उपायों** के लिये संसाधनों की उपलब्धता।
    - गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत (विशेषकर 2004 से पूर्व की पेंशन देयताएँ)।
    - राज्य के वित्त पर प्रभाव, क्योंकि राज्य सरकारें अक्सर अपने वेतनमान को केंद्र के अनुरूप करती हैं।
    - केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (CPSU) एवं निजी क्षेत्र में कर्मचारियों की वर्तमान पारिश्रमिक संरचना, लाभ तथा कार्य स्थितियाँ।
- **पृष्ठभूमि:**
  - वेतन आयोग का **गठन** आमतौर पर **प्रत्येक 10 वर्ष में एक बार किया** जाता है ताकि सरकारी कर्मचारियों के भत्ते, वेतन संरचना एवं पेंशन में बदलाव की समीक्षा तथा सिफारिश की जा सके।
  - 7वें केंद्रीय वेतन आयोग का गठन वर्ष 2014 में किया गया था और इसकी सिफारिशें 1 जनवरी, 2016 से लागू की गईं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने **न्यायमूर्ति सूर्यकांत** को भारत का **53वाँ** मुख्य न्यायाधीश (CJI) नियुक्त किया है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - वे **24 नवंबर, 2025** को **न्यायमूर्ति बी. आर. गवई** के उत्तराधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और **10 फरवरी, 2027** तक लगभग **15 माह** का कार्यकाल पूरा करेंगे।
  - वह **हरियाणा से भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश** होंगे।
  - वह **पहली पीढ़ी के वकील** हैं, जो अपनी **स्पष्ट टिप्पणियों, संतुलित निर्णयों और संवैधानिक नैतिकता पर ज़ोर** देने के लिये जाने जाते हैं।
  - उनके कार्यकाल में **न्यायिक सुलभता,** प्रशासनिक सुधार और **संवैधानिक व्याख्या में स्थिरता** पर विशेष ध्यान दिये जाने की संभावना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **महत्त्वपूर्ण निर्णय:**
  - **अनुच्छेद 370:** पाँच-सदस्यीय पीठ के सदस्य रहे, जिसने **अनुच्छेद 370 के निरसन को वैध** ठहराया।
  - **अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक दर्जा:** इस संबंध में **महत्त्वपूर्ण निर्णय देने वाली पीठ** का हिस्सा रहे।
  - **चुनाव आयोग की निगरानी:** वर्तमान में **बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया** की देखरेख करने वाली पीठ की अध्यक्षता कर रहे हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश:

  - **अनुच्छेद 124 (2)** के तहत मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
  - **वरिष्ठतम न्यायाधीश** को सेवा की अवधि के आधार पर मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाता है (यह **परंपरा है, कोई कानूनी बाध्यता नहीं**)।
  - **अर्हता:** मुख्य न्यायाधीश के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिये व्यक्ति को
    - भारत का नागरिक होना चाहिये,
    - कम-से-कम **5 वर्ष उच्च न्यायालय के न्यायाधीश** या
    - **10 वर्ष अधिवक्ता** के रूप में कार्य किया होना चाहिये,
    - अथवा राष्ट्रपति की राय में **एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता** होना चाहिये।
- मुख्य न्यायाधीश को **केवल** संसद **के दोनों सदनों में** विशेष बहुमत **से पारित प्रस्ताव** के पश्चात् ही राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल के भारत के एकीकरण में योगदान के सम्मान में मनाया जाता है।

- वर्ष 2025 में यह दिवस विशेष महत्त्व रखता है, क्योंकि यह **सरदार पटेल की 150वीं जयंती** का प्रतीक है।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय एकता दिवस:**
  - यह दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा प्रतिपादित **एकता, अखंडता और समावेशिता** के मूल्यों का प्रतीक है।
  - इसे **पहली बार वर्ष 2014 में मनाया गया था,** जब सरकार ने **राष्ट्र-निर्माण** में पटेल के ऐतिहासिक योगदान को सम्मानित करने का निर्णय लिया।
  - वर्ष 2015 के आयोजन के दौरान **प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर जुड़ाव को सशक्त करना था।
- **कार्यक्रम:**
  - **केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय** द्वारा माई भारत मंच के माध्यम से आयोजित **सरदार @150 एकता यात्रा** का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति तथा नागरिक दायित्व की भावना को बढ़ावा देना था, जो '**एक भारत, आत्मनिर्भर भारत**' के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
  - इसके अतिरिक्त, 31 अक्तूबर, 2025 को देश के प्रमुख शहरों में **"रन फॉर यूनिटी"** नामक राष्ट्रव्यापी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसका **शुभारंभ नई दिल्ली** से हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी:**
  - 31 अक्तूबर, 2018 को सरदार पटेल की स्मृति में 182 **मीटर (600 फीट)** ऊँची विश्व की सबसे विशाल प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन **गुजरात के केवडिया** में किया गया।
  - यह प्रतिमा नर्मदा नदी के तट पर, सरदार सरोवर बाँध (जो कंक्रीट की मात्रा के आधार पर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गुरुत्व बाँध है) के समीप **साधु बेट पहाड़ी** पर स्थित है।
  - वर्ष 2020 में इसे शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के "**आठ अजूबों**" की सूची में भी शामिल किया गया था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल

परिचय

- भारत के पहले गृहमंत्री तथा उप-प्रधानमंत्री
- बारदोली की महिलाओं द्वारा 'सरदार' की उपाधि दी गई

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का दृष्टिकोण

- इनके जन्मदिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- इनकी स्मृति में गुजरात में वर्ष 2018 में 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' का अनावरण किया गया।

संविधन सभा की समितियाँ जिनकी अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की

- मूल अधिकारों पर सलाहकार समिति
- अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं वंचित क्षेत्रों पर समिति
- प्रांतीय गठन समिति

प्रमुख योगदान

- खेड़ा (1918) तथा बारदोली (1928) आंदोलनों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ एकीकृत किया।
- कॉन्ग्रेस के 46 वें अधिवेशन (मार्च 1931) की अध्यक्षता करते हुए गांधी-इरविन समझौते की पुष्टि का आह्वान किया।
- इन्हें 'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत' के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इन्होने आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना की।
- इन्होंने लगभग 565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके चलते इन्हें 'भारत का लौह पुरुष' के रूप में जाना गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME